



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III — खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 85]

नई दिल्ली, सोमवार, मई 26, 2008/ज्येष्ठ 5, 1930

No. 85]

NEW DELHI, MONDAY, MAY 26, 2008/JYAISTHA 5, 1930

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 26 मई, 2008

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूत ऋण लिखतों [सिक्योरिटाइज्ड डेट इन्स्ट्रुमेंट्स]
का सार्वजनिक प्रस्ताव और इनकी सूचीबद्धता) विनियम, 2008

सं. एल ए डी-एन आर ओ/जी एन/2008/12/126567.—भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, प्रतिभूति सविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42) की धारा 17क के साथ पठित धारा 31 और भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 11 तथा 12 के साथ पठित धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

अध्याय I

प्रारंभिक

संक्षिप्त नाम और प्रारंभ 1. (1) इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूत ऋण लिखतों [सिक्योरिटाइज्ड डेट

इन्स्ट्रुमेंट्स] का सार्वजनिक प्रस्ताव और इनकी सूचीबद्धता) विनियम, 2008 कहा जाएगा।

(2) वे राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

परिभाषाएँ

2. (1) इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :-

(क) "अधिनियम" से प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42) अभिप्रेत है ;

(ख) "आस्ति पूल", विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता (स्पेशल पर्पस् डिस्टिन्क्ट एंटिटी) की स्कीम के संबंध में, से कुल ऋण या प्राप्य अभिप्रेत हैं, ऐसी सत्ता को समनुदेशित और जिसमें ऐसी स्कीम के विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) का फायदाप्रद हित हो ;

(ग) "बोर्ड" से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 3 के अधीन स्थापित भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अभिप्रेत है ;

(घ) "प्रमाणपत्र" से इन विनियमों के अधीन न्यासी को प्रदान किया गया रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र अभिप्रेत है ;

(ङ) "क्लीन-अप कॉल ऑप्शन" से विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता के प्रति समनुदेशित ऋण या प्राप्यों को खरीदने के लिए प्रारंभकर्ता द्वारा प्रतिधारित और प्रयोक्तव्य विकल्प अभिप्रेत है, यदि ऐसे ऋण या प्राप्यों का अवशिष्ट मूल्य उस कीमत के विनिर्दिष्ट प्रतिशत से कम हो जाता है जिस पर यह समनुदेशित हुआ था ;

(च) "क्रेडिट वृद्धि" से प्रतिभूत ऋण लिखतों के संबंध में

चूक की संभाव्यता को कम करने के लिए आशयित कोई इंतजाम अभिप्रेत है, जिसमें अधीनस्थता, बीमा, प्रत्यय पत्र, अधिक-सांपार्श्विकीकरण, वचन और गारंटियाँ सम्मिलित हैं ;

(छ) "ऋण" या "प्राप्य" से कोई वह अधिकार अभिप्रेत है जो नकदी प्रवाह जनित करता है या में परिणामित होता है और जिसमें सम्मिलित हैं -

- (i) बंधक ऋण ;
- (ii) प्रतिभूतियों से उद्भूत ऐसे प्राप्य जैसा बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए ;
- (iii) वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 का 54) की धारा 2 की उप-धारा (1) के खण्ड (ठ) के अर्थ के भीतर कोई वित्तीय आस्ति ;

(ज) "विनिधानकर्ता" से कोई प्रतिभूत ऋण लिखत धारण करने वाला व्यक्ति अभिप्रेत है जो विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता के प्रति समनुदेशित ऋण या प्राप्यों में ऐसे व्यक्ति के हित को अभिस्वीकृत करती है ;

(झ) "निर्गम" से विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता द्वारा या ऐसी सत्ता की किसी स्कीम के अधीन जनता को या किसी व्यक्ति (किन्हीं व्यक्तियों) को प्रतिभूत ऋण लिखतों का प्रस्ताव अभिप्रेत है, जो मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध किए जाने के लिए प्रस्तावित है ;

(ञ) "अर्थसुलभता प्रदाता (लिक्विडिटी प्रोवाइडर)" से वह व्यक्ति अभिप्रेत है जो विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को देय भुगतानों के निपटान के लिए विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता को निधियाँ उपलब्ध कराने के लिए सहमत होता है, उन्हें निर्गमित प्रतिभूत ऋण लिखतों के निर्गमन के निबंधनों में अंतर्विष्ट भुगतानों की अनुसूची के अनुसार, विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता की किन्हीं अल्पकालिक नकदी प्रवाह कमियों की दशा में ;

- (ट) "बाध्यताधारी" से वह व्यक्ति अभिप्रेत है जो दायी है, चाहे संविदा के अधीन या अन्यथा, ऋण या प्राप्यों का भुगतान करने के लिए अथवा ऋण या प्राप्यों की बाबत किसी बाध्यता का उन्मोचन करने के लिए ;
- (ठ) "प्रस्ताव दस्तावेज" से कोई दस्तावेज जिसमें प्रस्ताव दस्तावेज या प्रोस्पेक्टस के रूप में वर्णित या निर्गमित इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज सम्मिलित है अभिप्रेत है और जिसमें जनता से अभिदान या इन विनियमों के अधीन बनायी गयी स्कीम की किन्हीं प्रतिभूत ऋण लिखतों के क्रय को आमंत्रित करने वाली कोई सूचना, परिपत्र, विज्ञापन या अन्य दस्तावेज सम्मिलित है ;
- (ड) "प्रारंभकर्ता" से प्रतिभूतिकरण के प्रयोजन के लिए विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता के प्रति ऋण या प्राप्यों का समनुदेशक अभिप्रेत है ;
- (ढ) "मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज" से कोई वह स्टॉक एक्सचेंज अभिप्रेत है जो अधिनियम की धारा 4 के अधीन मान्यताप्राप्त है ;
- (ण) "विनियमित क्रियाकलाप", विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता के संबंध में, से इसके कोई ऐसे क्रियाकलाप अभिप्रेत हैं जो अधिनियम और इन विनियमों के अधीन बोर्ड द्वारा विनियमित हैं और जिसमें प्रतिभूत ऋण लिखतों का सार्वजनिक प्रस्ताव करना, ऐसे निर्गम के संबंध में प्रकटीकरण करना, ऐसी लिखतों के सार्वजनिक प्रस्ताव या सूचीबद्धता और मोचन संबंधी बाध्यताओं का पालन, स्कीमों जिनके अधीन ऐसी लिखतें निर्गमित की जाती हैं का प्रबंध और प्रशासन, लेखाओं का मूल्यांकन और लेखा रखना जो ऐसी लिखतों के मूल्य से संबद्ध हो, और कोई अन्य संबंधित क्रियाकलाप जो बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए सम्मिलित है ;
- (त) "स्कीम" से इन विनियमों के अनुसार प्रतिभूत ऋण लिखतों के निर्गमन के लिए स्कीम अभिप्रेत है ;

- (थ) "अनुसूची" से इन विनियमों से संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है ;
- (द) "प्रतिभूतिकरण" से विनिधानकर्ताओं को प्रतिभूत ऋण लिखतों के निर्गमन के प्रयोजन के लिए किसी प्रारंभकर्ता या किन्हीं प्रारंभकर्ताओं से किसी विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता द्वारा ऋण या प्राप्यों का अर्जन अभिप्रेत है, ऐसे ऋण या प्राप्यों और ऐसे निर्गमन के आधार पर ;
- (ध) "प्रतिभूत ऋण लिखत" से कोई प्रमाणपत्र या लिखत अभिप्रेत है, चाहे किसी भी नाम से ज्ञात हो, अधिनियम की धारा 2 के खण्ड (ज) के उप-खण्ड (झड़) में निर्दिष्ट स्वरूप की, विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता द्वारा निर्गमित ;
- (न) "सर्विसर" से विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता द्वारा नियुक्त कोई व्यक्ति अभिप्रेत है और जो आस्ति पूल के प्रबंध या संग्रहण अथवा प्रतिभूत ऋण लिखत के धारकों को आबंटन या वितरण करने के लिए जिम्मेदार है, इन विनियमों के अनुसार, किंतु जिसमें निर्गमकर्ता का न्यासी सम्मिलित नहीं है यदि न्यासी ऐसे आबंटन या वितरण प्राप्त करता है ;
- (प) "विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता" से वह न्यास अभिप्रेत है जो एक या अधिक स्कीमों के माध्यम से प्रतिभूत ऋण लिखतों के निर्गमन के जरिये इसके द्वारा जुटायी गयी निधियों में से ऋण या प्राप्य अर्जित करता है, और जिसमें राष्ट्रीय आवास बैंक अधिनियम, 1987 (1987 का 53) के अधीन राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा या राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक अधिनियम, 1981 (1981 का 61) के अधीन राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक द्वारा गठित कोई न्यास सम्मिलित है ;
- (फ) "प्रायोजक" से कोई वह व्यक्ति अभिप्रेत है जो विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता को स्थापित करता है या संप्रवर्तित करता है ;

- (ब) "न्यासी" से विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता का न्यासी अभिप्रेत है ;
- (भ) "कार्य दिवसों" से बोर्ड के कार्य दिवस अभिप्रेत हैं ।
- (2) इन विनियमों में अपरिभाषित, किन्तु अधिनियम या भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) या तदधीन बनाए गए विनियमों या कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) या वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 का 54) या किसी कानूनी उपांतर या उनकी पुनः अधिनियमिति में या के अधीन परिभाषित शब्दों और पदों का वही अर्थ होगा जो उन अधिनियमितियों द्वारा या के अधीन उनके लिए नियत किया गया है, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो ।

लागू होना

3. ये विनियम -

- (क) प्रतिभूत ऋण लिखतों के सार्वजनिक प्रस्तावों ; या
- (ख) जनता या किसी व्यक्ति (किन्हीं व्यक्तियों) को निर्गमित प्रतिभूत ऋण लिखतों की सूचीबद्धता, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में,
- के प्रति लागू होंगे ।

अध्याय II

न्यासियों का रजिस्ट्रीकरण

न्यासियों के लिए पात्रता मानदंड

4. (1) इन विनियमों के प्रारम्भ से ही, कोई भी व्यक्ति प्रतिभूत ऋण लिखतों का सार्वजनिक प्रस्ताव नहीं

करेगा या ऐसी प्रतिभूत ऋण लिखतों के लिए सूचीबद्धता नहीं चाहेगा जब तक कि -

- (क) यह विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता के रूप में गठित नहीं होता है ;
 - (ख) इसके सभी न्यासी इन विनियमों के अधीन बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत नहीं होते हैं ; और
 - (ग) यह इन विनियमों और अधिनियम के सभी लागू प्रावधानों का पालन नहीं करता है ।
- (2) रजिस्ट्रीकरण अभिप्राप्त करने की अपेक्षा निम्नलिखित व्यक्तियों के प्रति लागू नहीं होगी, जो विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ताओं के न्यासियों के रूप में कार्य कर सकेंगे, अर्थात् :-
- (क) बोर्ड के पास डिबेंचर न्यासी के रूप में रजिस्ट्रीकृत कोई व्यक्ति ;
 - (ख) वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 का 54) के अधीन भारतीय रिज़र्व बैंक के पास प्रतिभूतिकरण कंपनी या पुनर्गठन कंपनी के रूप में रजिस्ट्रीकृत कोई व्यक्ति ;
 - (ग) राष्ट्रीय आवास बैंक अधिनियम, 1987 (1987 का 53) द्वारा स्थापित राष्ट्रीय आवास बैंक ;
 - (घ) राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक अधिनियम, 1981 (1981 का 61) द्वारा स्थापित राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक ;

परंतु यह कि उपर्युक्त व्यक्ति और विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ताएँ जिनकी बाबत वे न्यासी हैं इन विनियमों के सभी अन्य उपबंधों का पालन करेंगे :

परंतु यह और कि इन विनियमों के उपबंध राष्ट्रीय आवास बैंक तथा राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक के प्रति, उनके अपने-अपने अधिनियमों के उपबंधों की असंगति के विस्तार तक, लागू नहीं होंगे ।

(3) रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन न्यासी द्वारा बोर्ड को अनुसूची I के प्ररूप क में, अनुसूची II में यथा विनिर्दिष्ट अप्रतिदेय आवेदन फीस के साथ, किया जाएगा ।

(4) कोई आवेदन जो सभी प्रकार से पूर्ण नहीं है और अनुसूची I के प्ररूप क में विनिर्दिष्ट अनुदेशों के अनुरूप नहीं होता है या जो गलत, मिथ्या या भ्रामक स्वरूप का है नामंजूर किए जाने के दायित्व के अधीन होगा :

परंतु यह कि कोई ऐसा आवेदन नामंजूर करने से पूर्व, बोर्ड आवेदक को बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट समय के भीतर बोर्ड द्वारा बताये गये आक्षेपों को दूर करने का अवसर देगा ।

(5) बोर्ड आवेदक से ऐसी अतिरिक्त जानकारी या स्पष्टीकरण देने की अपेक्षा कर सकेगा जो बोर्ड की राय में आवेदन पर विनिश्चय करने के लिए आवश्यक है ।

विचार के लिए कारक

5. विनियम 4 के अधीन किए गए आवेदन पर विचार करते समय, बोर्ड सभी सुसंगत कारकों को ध्यान में रख सकेगा, जिसमें निम्नलिखित सम्मिलित हैं, अर्थात् :-

(क) आवेदक का पिछला रिकॉर्ड, वृत्तिक क्षमता और साधारण ख्याति और, जहाँ लागू हो इसके संप्रवर्तकों तथा निदेशकों के संबंध में भी ;

(ख) जहाँ आवेदक निगमित निकाय है, संगम ज्ञापन या अन्य गठन संबंधी दस्तावेज के अनुसार इसके उद्देश्य,

इसके निदेशक बोर्ड की संरचना और अन्य सुसंगत मामले ;

- (ग) क्या आवेदक के पास प्रतिभूतिकरण संव्यवहार की समुचित सर्विसिंग को ; प्रारंभकर्ता, हामीदार, क्रेडिट वृद्धि प्रदाता, अर्थसुलभता प्रदाता (लिविडिटी प्रोवाइडर), और प्रतिभूतिकरण संव्यवहार के अन्य पक्षकारों द्वारा संव्यवहार दस्तावेजों के निबंधनों के अनुसरण को सुनिश्चित करने, और अधिनियम तथा इन विनियमों के उपबंधों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त अवसंरचना है ;
- (घ) क्या आवेदक और विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता ने इन विनियमों की अपेक्षाओं का अनुपालन कर लिया है या का अनुपालन करने की स्थिति में हैं ;
- (ङ) क्या आवेदक से प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः संबंधित किसी व्यक्ति द्वारा प्रमाणपत्र प्रदान किये जाने के लिए किया गया कोई पूर्वतन आवेदन बोर्ड द्वारा नामंजूर हुआ था ;
- (च) क्या आवेदक, इसके संप्रवर्तक और निदेशक भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) के अधीन रजिस्ट्रीकृत मध्यवर्तियों की बाबत विनिर्दिष्ट मानदंड के निबंधनों के अनुसार उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति हैं ।

रजिस्ट्रीकरण प्रदान करने की प्रक्रिया, आदि

6. (1) इन विनियमों में जैसा उपबंधित है उसके सिवाय, आवेदन पर विचार करने, रजिस्ट्रीकरण प्रदान करने की प्रक्रिया, बोर्ड की शक्तियों जिनमें अतिरिक्त जानकारी मंगाने, आवेदक द्वारा दी गई जानकारी को सत्यापित करने की शक्ति सम्मिलित है, रजिस्ट्रीकरण की शर्तों, प्रमाणपत्र प्रदान करने से इंकार के प्रभाव, आदि से संबंधित उपबंध; किसी मध्यवर्ती को यथा लागू, इन विनियमों के अधीन आवेदक के प्रति लागू होंगे ।

- (2) बोर्ड, यदि यह आवेदक को रजिस्ट्रीकरण प्रदान करने का विनिश्चय करता है, अनुसूची II में विनिर्दिष्ट रजिस्ट्रीकरण फीस के भुगतान के लिए आवेदक को सूचना भेजेगा।
- (3) रजिस्ट्रीकरण फीस के भुगतान पर, बोर्ड अनुसूची I के प्ररूप ख में आवेदक को प्रमाणपत्र प्रदान करेगा।
- (4) अधिनियम, इन विनियमों के उपबंधों, रजिस्ट्रीकरण की शर्तों और फीस के भुगतानों की बाध्यताओं के अध्यधीन, बोर्ड द्वारा न्यासी को प्रदान किया गया रजिस्ट्रीकरण स्थायी होगा जब तक कि बोर्ड द्वारा निलंबित या रद्द न कर दिया जाए।

रजिस्ट्रीकरण की शर्तें 7.

विनियम 6 के अधीन प्रदान किया गया कोई प्रमाणपत्र निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन होगा जिनका अनुपालन न्यासी द्वारा किया जाना है, अर्थात् :-

- (क) जहाँ यह इसके प्रबंध या नियंत्रण में परिवर्तन करने का प्रस्ताव करता है, वहाँ यह परिवर्तन के पश्चात् ऐसी हैसियत से कार्य करना जारी रखने के लिए बोर्ड का पूर्व अनुमोदन अभिप्राप्त करेगा ;
- (ख) यह अनुसूची II में उपबंधित रीति में रजिस्ट्रीकरण फीस और वार्षिक फीस का भुगतान करेगा ;
- (ग) यह शिकायत की प्राप्ति की तारीख के एक मास के भीतर विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) की शिकायतों को दूर करने के लिए पर्याप्त कदम उठायेगा और बोर्ड को प्राप्त शिकायतों की संख्या, स्वरूप और अन्य विशिष्टियों के बारे में सूचना देता रहेगा ;
- (घ) यह विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता द्वारा किए गए विनियमित क्रियाकलापों की बाबत अधिनियम और इन विनियमों के उपबंधों का पालन करेगा ;

- (ड) यह तुरंत बोर्ड को सूचना देगा, यदि बोर्ड को पहले प्रस्तुत की गई कोई जानकारी या विशिष्टियाँ किसी तात्त्विक बाबत भी भ्रामक या मिथ्या पायी जाती हैं ;
- (च) यह, दी गई जानकारी या विशिष्टियों में किसी तात्त्विक परिवर्तन की, सूचना तुरंत बोर्ड को देगा, जो इसके प्रदान किए गए प्रमाणपत्र से संबंधित हो ;
- (छ) यह अनुसूची III में विनिर्दिष्ट आचार संहिता का पालन करेगा ।

प्रक्रिया जहाँ आवेदन
नामंजूर किया जाता है

8. (1) जहाँ प्रमाणपत्र प्रदान किये जाने के लिए आवेदन पात्रता मानदंड और अन्य अपेक्षाओं जैसा इन विनियमों में दिया हुआ है के अनुरूप नहीं होता है, वहाँ बोर्ड आवेदन को नामंजूर कर सकेगा और विनिश्चय की सूचना कारणों सहित लिखित रूप में दे सकेगा :

परंतु यह कि आवेदन नामंजूर करने से पूर्व, आवेदक को बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट उचित समय के भीतर, ऐसे आक्षेप दूर करने का अवसर दिया जाएगा जो बोर्ड द्वारा आवेदक को लिखित रूप में उपदर्शित किए जाएँ :

- (2) जहाँ आवेदन इस कारण से नामंजूर किया जाता है कि इसमें मिथ्या या भ्रामक जानकारी अंतर्विष्ट है, कोई ऐसा अवसर नहीं दिया जाएगा और आवेदक ऐसी नामंजूरी की तारीख से एक वर्ष की कालावधि के लिए इन विनियमों या किन्हीं अन्य विनियमों के अधीन रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किये जाने के लिए कोई आवेदन नहीं करेगा ।

अध्याय III

विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ताओं (एंटीटीज़) का गठन तथा प्रबंध और आनुषंगिक मामले

विशेष प्रयोजन की
सुभिन्न सत्ता के लिए
अनुज्ञेय संरचनाएँ

9. (1) विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता का गठन न्यास के रूप में किया जाएगा जिसका गठन संबंधी दस्तावेज न्यासियों को प्रतिभूति ऋण लिखतें निर्गमित करने का हकदार बनाता है :

परंतु यह कि प्रारंभकर्ता या इसके सहयुक्तों में से कोई विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता और इसके न्यासियों पर नियंत्रण का प्रयोग नहीं करेगा ।

- (2) न्यास की लिखत, चाहे न्यास विलेख हो या कोई अन्य गठन संबंधी दस्तावेज हो, प्रायोजक द्वारा ऐसी लिखत में नामित न्यासियों के पक्ष में निष्पादित की जाएगी ।

- (3) न्यास की लिखत में ऐसे खण्ड अंतर्विष्ट होंगे जो अनुसूची IV में उल्लिखित हैं और ऐसे अन्य खण्ड जो प्रतिभूत ऋण लिखतों में विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के हितों का संरक्षण करने के लिए आवश्यक हैं ।

- (4) न्यास की किसी भी लिखत में ऐसा खण्ड अंतर्विष्ट नहीं होगा जिसका प्रभाव निम्नलिखित हो -

- (i) किसी स्कीम के संबंध में न्यासियों या विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता की बाध्यताओं और दायित्वों अथवा विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के अधिकारों या हितों को सीमित करना या निर्वापित करना ;

- (ii) अधिनियम, इन विनियमों और बोर्ड द्वारा जारी परिपत्रों या मार्गदर्शक सिद्धांतों के उपबंधों को सीमित

करना या निर्बंधित करना या अधित्यजित करना ;

(iii) उनके उपेक्षा के कार्य अथवा करण या लोप त्रुटि द्वारा विनिधानकर्ताओं को कारित हानि या नुकसान के लिए न्यासियों या विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता की क्षतिपूर्ति करना ।

(5) विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता और न्यासी हित विरोध से बचने के लिए परिकल्पित आंतरिक प्रक्रियाओं को अंगीकृत करेंगे ।

(6) विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता ऋण (डैट) के रूप में कोई धन नहीं जुटायेगी या प्रतिभूत ऋण लिखतों के निर्गमन के माध्यम से भिन्न कोई ऋण प्रतिभूतियाँ निर्गमित नहीं करेगी :

परंतु यह कि इस उप-विनियम में अंतर्विष्ट निर्बंधन प्रतिभूति रसीदों के निर्गमन के प्रति लागू नहीं होगा ।

(7) विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता, न्यास विलेख या अन्य गठन संबंधी दस्तावेज के निर्बंधनों के अनुसार, स्कीम के अनुसार किसी प्रतिभूत ऋण लिखत की सर्विसिंग के प्रयोजन के लिए आस्ति पूल में से ऋण या प्राप्यों को पृथक् करने के लिए हकदार होगी ।

(8) विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता तब तक विघटित नहीं होगी जब तक इसकी सभी स्कीमों के अधीन निर्गमित प्रतिभूत ऋण लिखतों का उनके निर्गमन के निर्बंधनों के अनुसार पूर्णतया मोचन नहीं हो जाता या को बट्टे खाते में नहीं डाल दिया जाता ।

(9) न्यासी जो प्रायोजक या प्रारंभकर्ता के नामनिर्देशित हैं अथवा जो किसी प्रकार से प्रायोजक या प्रारंभकर्ता से अथवा प्रायोजक या प्रारंभकर्ता के रूप में उसी प्रबंधन में कंपनी से सहयुक्त हैं विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता के न्यासी बोर्ड का आधे से अधिक गठित नहीं करेंगे, यथास्थिति ।

(10) जहाँ विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता बहुविध स्कीमें आरंभ करने का प्रस्ताव करती है, -

(क) यह न्यास विलेख या अन्य गठन संबंधी दस्तावेज के निबंधनों के अनुसार समर्थ होगी, बहुविध प्रतिभूतिकरण स्कीमों को पृथक् करने में ; और

(ख) प्रत्येक स्कीम के अधीन निर्गमित किये जाने के लिए प्रस्तावित प्रतिभूत ऋण लिखतों या प्रत्येक क्रम की ऐसी लिखतों के निर्गमन के निबंधन विनिधानकर्ताओं के अधिकारों को उनमें निर्बंधित करेंगे, सुसंगत आस्ति पूल के प्रति ही ।

(11) विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता विनियमित क्रियाकलापों, और उनसे आनुषंगिक, से भिन्न कोई क्रियाकलाप नहीं करेगी और यह निम्नलिखित में नहीं लगेगी :

(क) उधार देने या विनिधान (निवेश) के कारबार, स्कीम के अनुसार अपेक्षित निष्क्रिय वित्तीय विनिधान करने के सिवाय ;

(ख) आस्ति प्रबंध कंपनी या संविभाग (पोर्टफोलियो) प्रबंधक या पारस्परिक निधि के क्रियाकलाप :

परंतु यह कि खण्ड (क) में उपबंधित निर्बंधन निम्नलिखित के प्रति लागू नहीं होगा -

(क) राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा संप्रवर्तित कोई न्यास या अन्य निकाय, राष्ट्रीय आवास बैंक अधिनियम, 1987 (1987 का 53) के निबंधनों के अनुसार इसके द्वारा किए गए क्रियाकलापों की बाबत ;

(ख) राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक द्वारा संप्रवर्तित कोई न्यास या अन्य निकाय, राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक अधिनियम, 1981 (1981 का 61)

के निबंधनों के अनुसार इसके द्वारा किए गए क्रियाकलापों की बाबत;

(ग) प्रतिभूतिकरण कंपनी या पुनर्गठन कंपनी द्वारा गठित कोई न्यास, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 का 54) के निबंधनों के अनुसार इसके द्वारा किए गए क्रियाकलापों की बाबत ;

(घ) विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता द्वारा किया गया कोई प्रतिभूतिकरण, जिसमें प्रतिभूत ऋण को व्यक्त करने वाली किन्हीं लिखतों का निजी स्थानन (प्राइवेट प्लेसमेंट) अंतर्वलित है जो किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध किए जाने के लिए प्रस्तावित हैं ।

ऋण या प्राप्यों का
समनुदेशन

10. (1) प्रारंभकर्ता और न्यासी विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता के प्रति समनुदेशित ऋण या प्राप्यों की बाबत यह सुनिश्चित करेंगे कि निम्नलिखित शर्तें पूरी की जाती हैं :

(क) ऋण या प्राप्य स्कीम के अनुसार प्रतिभूत ऋण लिखतों की सर्विसिंग के प्रयोजन के लिए पहचाने जाने योग्य नकदी प्रवाहों को जनित करता है या जनित करने के लिए युक्तियुक्त रूप से प्रत्याशित है ;

(ख) प्रारंभकर्ता के पास प्रतिभूतिकरण से पूर्व आस्तियों में और आस्तियों के नकदी प्रवाह में विधिमान्य प्रवर्तनीय हित है ;

(ग) ऋण या प्राप्य किन्हीं विल्लंगमों से अथवा उनके निर्बाध अंतरण के प्रति या उससे जुड़े अधिकारों के अंतरण के प्रति अड़चनों से रहित हैं और उनका अंतरण किसी करार के अधीन चूक या त्वरण घटना की दशा को नियत नहीं करता है ;

- (घ) आवश्यक विनियामक या संविदात्मक अनुज्ञाएँ या सहमतियाँ ऐसे ऋण या प्राप्यों को प्रारंभकर्ता से विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता को अंतरित कराने के लिए अभिप्राप्त की गयी हैं ;
 - (ङ) प्रारंभकर्ता ने ऐसी कोई बात नहीं की है या करने का लोप नहीं किया है जो ऐसी आस्तियों के संबंध में मुजराई के अधिकार का प्रयोग करने में उसके किन्हीं देनदारों को समर्थ बनाता है ;
 - (च) ऋण या प्राप्यों का अंतरण समुचित दूरी के संव्यवहार के माध्यम से निर्धारित कीमत पर और केवल वाणिज्यिक प्रतिफलों पर किया जाता है ; और
 - (छ) ऋण या प्राप्यों के संबंध में प्रारंभकर्ता द्वारा किए गए किन्हीं अभ्यावेदनों और वारंटियों का सम्यक् रूप से अनुसरण किया जाता है ।
- (2) विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता और प्रारंभकर्ता यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठावेंगे कि विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता द्वारा अर्जित ऋण या प्राप्य इसके नाम में सम्यक् रूप से समनुदेशित हैं और वैध रूप से इसके द्वारा वसूलीयोग्य हैं ।
- (3) कोई भी विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता किसी प्रारंभकर्ता से कोई ऋण या प्राप्य अर्जित नहीं करेगी जो उसी समूह का भाग है या जो न्यासी के रूप में एक ही प्रबंध के अधीन है ।

स्पष्टीकरण : उप-विनियम (3) के प्रयोजनों के लिए, -

- (क) दो व्यक्ति "उसी समूह का भाग" समझे जाएँगे यदि वे एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 2 के खण्ड (डच) के अर्थ के भीतर उसी समूह के हैं या यदि वे उस अधिनियम की धारा 2 के खण्ड (छ) के अर्थ के भीतर "अंतर्संबद्ध उपक्रम" के स्वामी हैं ;

(ख) पद "एक ही प्रबंध के अधीन" का अर्थ वही होगा जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 370 की उप-धारा (1ख) से प्राप्त है।

(4) प्रतिभूलिकरण संव्यवहार ऐसी रीति में संरचित किया जाएगा कि प्रारंभकर्ता या प्रायोजक की आस्तियों से समेकित किए जाने वाले आस्ति पूल का जोखिम कम हो सके, उनमें से किसी के दिवालियेपन या परिसमापन की दशा में।

(5) विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता और इसके न्यासी यह सुनिश्चित करेंगे कि इसको समनुदेशित ऋण और प्राप्य सही विक्रय की कोटि में आने वाले वास्तविक संव्यवहार के माध्यम से हैं और वैध रूप से इसके द्वारा वसूलीयोग्य हैं और विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता प्रारंभकर्ता, प्रायोजक और किसी अन्य सत्ता के दिवाले, दिवालियेपन और परिसमापन के जोखिम से दूर होगी।

न्यासियों की बाध्यताएँ

11.

(1) न्यासी इन विनियमों, न्यास विलेख या अन्य दस्तावेज के अधीन अपने कर्तव्य निभायेगा और अपने कृत्यों का पालन करेगा, सम्यक् सतर्कता और तत्परता से।

(2) न्यासी यह सुनिश्चित करेंगे कि न्यास विलेख और किसी अन्य संव्यवहार संबंधी दस्तावेज में प्रसंविदाओं का अनुपालन संबद्ध पक्षकारों द्वारा किया जाता है।

अध्याय IV

विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ताओं की स्कीमें

- स्कीमों को आरंभ करना 12. (1) विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता इन विनियमों के अनुसार स्कीमें बनाते हुए प्रतिभूत ऋण लिखतों का प्रस्ताव करते हुए निधियाँ जुटा सकेगी ।
- (2) जहाँ बहुविध स्कीमें हैं, वहाँ विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता प्रत्येक ऐसी स्कीम की बाबत पृथक् और सुभिन्न खाते रखेगी और स्कीम के आस्ति पूलों या की वसूलियों को अन्य स्कीमों के आस्ति पूलों या की वसूलियों के साथ नहीं मिलायेगी ।
- (3) विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता और उसके न्यासी यह सुनिश्चित करेंगे कि ऋणों और प्राप्यों की वसूलियाँ संबंधित स्कीमों के अधीन निर्गमित प्रतिभूत ऋण लिखतों के मोचन हेतु या ऐसी लिखतों पर प्रतिफलों के भुगतान हेतु या स्कीम के अन्य अनुज्ञेय व्यय हेतु धारित हैं और सही रूप से उपयोजित हैं ।
- (4) प्रतिभूत ऋण लिखतों के निर्गमन के निबंधन विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता द्वारा क्लीन-अप कॉल ऑप्शन के प्रयोग का उपबंध कर सकेंगे, पर्याप्त प्रकटीकरणों के अध्याधीन ।
- (5) स्कीम में मंजूरी योग्य व्ययों से अधिक कोई व्यय प्रभारित नहीं किए जाएँगे, जैसा स्कीम में विनिर्दिष्ट किया जाए, और कोई ऐसा व्यय, यदि उपगत हो, न्यासियों द्वारा उठाया जाएगा ।

प्रतिभूत ऋण लिखतों
का मोचन करने की
बाध्यता

13. (1) न्यासी और विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता प्रस्ताव दस्तावेज के निबंधनों के अनुसार या प्रतिभूत ऋण लिखतों के निर्गमन के अन्य निबंधनों के अनुसार

विनिधानकर्ताओं को ब्याज और मोचन की रकमों का, आस्ति पूल, क्रेडिट वृद्धिकर्ता (क्रेडिट एन्हांसर) या अर्थसुलभता प्रदाता (लिविचिडिटी प्रोव्हाइडर) से वसूलियों में से, ठीक समय में भुगतान सुनिश्चित करेंगे।

- (2) न्यासी यह सुनिश्चित करेगा कि सर्विसर ऐसे व्यवहार कुशल उपाय अंगीकृत करता है जैसा प्रारंभ संबंधी दस्तावेजों के अधीन प्रत्याशित किया जाए, बाध्यताधारियों से देयराशियाँ वसूल करने के लिए, उसके किसी भाग में किसी चूक की दशा में।
- (3) प्रत्येक स्कीम की परिपक्वता की प्रत्याशित कालावधि और ऐसी कालावधि को बढ़ाये जाने या कम किये जाने की संभावना को प्रस्ताव दस्तावेज में ऐसी संभाव्य परिस्थितियों के साथ प्रकट किया जाएगा, जिनमें इस प्रकार बढ़ाया जाता है या कम किया जाता है।

क्रेडिट वृद्धि और अर्थसुलभता सुविधाएँ

14. (1) विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता आस्ति पूल की क्रेडिट वृद्धि का विकल्प ले सकेगी, प्रस्ताव दस्तावेज में इंतजामों या मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज को प्रस्तुत विशिष्टियों के पूर्ण प्रकटीकरण के अध्यधीन।
- (2) विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता अर्थसुलभता प्रदाता की सेवाएँ ले सकेगी, प्रस्ताव दस्तावेज में इंतजामों या मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज को प्रस्तुत विशिष्टियों के पूर्ण प्रकटीकरण के अध्यधीन।

सर्विसर

15. (1) विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता या तो प्रारंभकर्ता को या किसी अन्य व्यक्ति को इसकी स्कीमों में से किसी स्कीम की बाबत सर्विसर के रूप में नियुक्त कर सकेगी, निम्नलिखित के अध्यधीन, अर्थात् :-

- (क) न्यासी यह सुनिश्चित करेंगे कि सर्विसर उसको प्रत्यायोजित क्रियाकलापों की बाबत उचित हिसाब रखता है ;
- (ख) न्यासी यह सुनिश्चित करेंगे कि सर्विसर के पास प्रतिभूतिकरण संव्यवहार के संबंध में आस्ति पूल का प्रशासन करने के लिए पर्याप्त प्रचालनगत प्रणालियाँ और साधन हैं ।
- (2) सर्विसर को विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता द्वारा निम्नलिखित में से सभी या किसी को करने के लिए नियुक्त किया जा सकेगा, अर्थात् :-
- (i) बाध्यताधारियों के साथ समन्वय करने, आस्ति पूल और उनसे संग्रहणों का प्रबंध करने के लिए ;
- (ii) ऐसे आस्ति पूल के नकदी प्रवाहों, विनिधानकर्ताओं को वितरणों; तथा पुनर्विनिधान (पुनर्विवेश), यदि कोई हो, का प्रबंध करने के लिए, स्कीम के अनुसार ; और
- (iii) आनुषंगिक मामलों का प्रबंधन करने के लिए ;
- (3) जहाँ विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता प्रारंभकर्ता को सर्विसर के रूप में नियुक्त करती है, वहाँ यह हित विरोध से बचने के लिए परिकल्पित आंतरिक प्रक्रियाओं को अंगीकृत करेगी ।

लेखा

16. (1) कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1), या किसी अन्य लागू विधि के उपबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता उचित लेखे या अभिलेख रखेगी या रखवायेगी, इसकी और इसकी सभी स्कीमों की आस्तियों, दायित्वों, आय और व्यय का सही और ऋजु चित्र बनाने में समर्थ बनाने के लिए और इन विनियमों तथा अन्य लागू विधियों की प्रकटीकरण अपेक्षाओं का अनुपालन करने के लिए ।

- (2) स्कीम के लेखे ऐसी रीति में रखे जाएँगे ताकि बेहद हाल की जावक-भुगतान (पे-आउट) तारीख को, स्कीम की वित्तीय स्थिति प्रकट हो सके और विशिष्टितया स्कीम के कार्यकलाप की स्थिति का सही और ऋजु चित्र देंगे ।
- (3) विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता और इसकी सभी स्कीमों के लेखे साधारणतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार और भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान द्वारा जारी मार्गदर्शन को ध्यान में रखते हुए रखे जाएँगे या जैसा स्कीमों के लेखे की बाबत बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए ।

लेखापरीक्षा

17. (1) विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता द्वारा बनायी गयी स्कीमों के लेखे की लेखापरीक्षा चार्टर्ड अकाउंटेंट अधिनियम, 1949 (1949 का 38) के अर्थ के भीतर व्यवसाय में लगे हुए चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा ऐसी बारंबारता पर की जाएगी जैसा सूचीबद्धता करारनामे या शर्तों में विनिर्दिष्ट किया जाए ।
- (2) ऐसी लेखापरीक्षा साधारणतः स्वीकृत लेखापरीक्षण मानकों के अनुसार संचालित की जाएगी ।
- (3) ऐसी लेखापरीक्षा की परिधि बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट की जा सकेगी ।

अभिलेख रखना

18. (1) विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता अन्य अभिलेखों और दस्तावेजों को रखेगी या रखवायेगी, जिनमें प्रतिभूत ऋण लिखतों के धारकों का रजिस्टर सम्मिलित है, प्रत्येक स्कीम के लिए ताकि इसके संव्यवहार और इसके लेखे स्पष्ट हो सकें :

परंतु यह कि इसके पास गैर-कागजी रूप में धारित प्रतिभूत ऋण लिखतों की बाबत निक्षेपागार द्वारा रखा गया हिताधिकारी स्वामियों का रजिस्टर इन विनियमों

के प्रयोजनों के लिए प्रतिभूत ऋण लिखतों के धारकों का रजिस्टर समझा जाएगा ।

- (2) विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता बोर्ड को उन स्थानों की सूचना देगी जहाँ उप-विनियम (1) के अधीन रखे गए अभिलेख तथा दस्तावेज और विनियम 16 के अधीन रखे गए लेखे रखे जाते हैं ।
- (3) विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता स्कीम के अधीन निर्गमित सभी लिखतों के मोचन से आठ वर्षों की न्यूनतम कालावधि के लिए इसकी स्कीमों की बाबत लेखा बहियाँ, अभिलेख और अन्य दस्तावेज रखेगी ।

प्रारंभकर्ता की धारिता

19. (1) कोई भी प्रारंभकर्ता किसी भी समय किसी विशिष्ट स्कीम में विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता द्वारा निर्गमित कुल प्रतिभूत ऋण लिखतों के बीस प्रतिशत से अधिक प्रतिभूत ऋण लिखतों में अभिदाय या का धारण नहीं करेगा ;
 - (2) उप-विनियम (1) में अंतर्विष्ट कोई भी बात प्रतिभूत ऋण लिखतों के सार्वजनिक निर्गम की हामीदारी के कारण या क्रेडिट वृद्धि के लिए इंतजाम के अनुसरण में अर्जित प्रारंभकर्ता की धारिताओं के प्रति लागू नहीं होगी :
- परंतु यह कि ऐसी धारिताओं की संभावनाओं को प्रस्ताव दस्तावेज में या सूचीबद्धता विशिष्टियों में प्रकट किया जाता है ।
- (3) संदेह दूर करने के लिए, यह स्पष्ट किया जाता है कि उप-विनियम (1) केवल उन प्रतिभूत ऋण लिखतों के वर्गों के प्रति लागू होता है जो जनता को प्रस्तावित या सूचीबद्ध हैं ।

स्कीमों का परिसमापन

20.

निम्नलिखित की दशा में स्कीम का परिसमापन किया जा सकेगा :

- (क) जब प्रतिभूत ऋण लिखतों का स्कीम के अनुसार पूर्णतया मोचन कर दिया गया है ;
- (ख) प्रतिभूत ऋण लिखत के निर्गमन के निबंधनों के अनुसार यथा कथित वैध परिपक्वता पर :

परंतु यह कि यदि कोई ऋण या प्राप्य वैध परिपक्वता पर बकाया है, तो न्यासी स्कीम के अनुसार उसका व्ययन करेंगे और आगमों को वितरित करेंगे ;

- (ग) विनियम 34 में यथा उपबंधित विशेष संकल्प द्वारा विनिधानकर्त्ताओं (निवेशकों) के मत द्वारा ।

अध्याय V**प्रतिभूत ऋण लिखतों का सार्वजनिक प्रस्ताव****जनता को प्रस्ताव**

21.

- (1) यह अध्याय जनता को प्रतिभूत ऋण लिखतों के प्रस्ताव के प्रति लागू होगा ।
- (2) इन विनियमों में जनता को प्रतिभूत ऋण लिखतों के प्रस्ताव के प्रति किसी निर्देश का अर्थ इस प्रकार लगाया जाएगा कि उसमें जनता के किसी वर्ग को उनके प्रस्ताव के प्रति निर्देश भी सम्मिलित है ।
- (3) कोई भी प्रस्ताव उप-विनियम (1) के आधार पर जनता को किया गया नहीं माना जाएगा, यदि प्रस्ताव को

समुचित रूप से, सभी परिस्थितियों में, ऐसा माना जा सकता है -

- (क) कि इसके परिणामस्वरूप, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, प्रतिभूत ऋण लिखतें प्रस्ताव प्राप्त करने वालों से भिन्न व्यक्तियों द्वारा अभिदान या क्रय के लिए उपलब्ध हो जाने की संभावना न हो ;
- (ख) अन्यथा प्रस्ताव करने और प्राप्त करने वाले व्यक्तियों के घरेलू मामले के रूप में ।
- (4) उप-विनियम (2) के होते हुए भी, वित्तीय वर्ष में पचास या अधिक व्यक्तियों को किया गया प्रतिभूत ऋण लिखतों का कोई प्रस्ताव सदैव जनता को किया गया समझा जाएगा :

परंतु यह कि उप-विनियम (3) केवल प्रतिभूत ऋण लिखतों की बाबत लागू होता है जो एक ही शृंखला की हैं और जो सभी बातों में समगति से हैं ।

स्पष्टीकरण : उप-विनियम (4) के प्रयोजनों के लिए, पद "वित्तीय वर्ष" से किसी वर्ष में अप्रैल के पहले दिन से प्रारंभ होने वाली बारह महीनों की कालावधि अभिप्रेत होगी ।

प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज को प्रस्तुत करना और अंतिम प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल करना

- 22. (1) कोई विशेष प्रयोजन का सुभिन्न सत्ता या उसका न्यासी जनता को प्रतिभूत ऋण लिखतों का प्रस्ताव तब तक नहीं करेगा जब तक कि यह निर्गम के खुलने, जो प्रस्तावित हो, के कम से कम पंद्रह कार्य दिवसों के पूर्व बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज दाखिल नहीं कर देता है ।
- (2) ऐसा प्रस्ताव दस्तावेज अनुसूची II में यथा उल्लिखित दाखिल करने की न्यूनतम फीस के साथ दाखिल किया जाएगा :

परंतु यह कि अनुसूची II में उपबंधित दाखिल करने की बाकी की फीस का भुगतान बोर्ड को सार्वजनिक प्रस्ताव के बंद होने के सात दिनों के भीतर किया जाएगा ।

(3) यदि बोर्ड पंद्रह कार्य दिवसों की उक्त कालावधि के भीतर प्रस्ताव दस्तावेज में किये जाने वाले कोई परिवर्तन विनिर्दिष्ट करता है, तो विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता और उसका न्यासी इसे विनियम 35 के अधीन नामनिर्दिष्ट स्टॉक एक्सचेंज के पास दाखिल करेगा या इसे जारी करने से पूर्व प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज में इसे परिवर्तन करेंगे ।

(4) अंतिम प्रस्ताव दस्तावेज बोर्ड के पास और प्रत्येक उस मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के पास दाखिल किया जाएगा, जिसको प्रतिभूत ऋण लिखतों की सूचीबद्धता के लिए आवेदन किया जाना प्रस्तावित है, जनता को इसके जारी किये जाने से के पूर्व ।

गैरकागजी रूपी प्रक्रिया 23.
के लिए इंतजाम

(1) विनियम 22 के अधीन बोर्ड के पास प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज प्रस्तुत करने से पूर्व, विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता प्रतिभूत ऋण लिखतों की गैर-कागजी रूपी प्रक्रिया के लिए रजिस्ट्रीकृत निक्षेपागार के साथ इंतजाम करेगी जो जनता को निर्गमित किए जाने के लिए प्रस्तावित हैं ।

(2) विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को प्रतिभूत ऋण लिखतें या तो कागजी रूप में या गैर-कागजी रूप में प्राप्त करने का विकल्प देगी ।

(3) गैर-कागजी रूपी लिखतों के धारकों के वही अधिकार और दायित्व होंगे जो कागजी रूपी लिखतों के धारकों के हैं ।

- | | | |
|--------------------|-----|---|
| आज्ञापक सूचीबद्धता | 24. | जनता को प्रतिभूत ऋण लिखतों का प्रस्ताव करने की इच्छुक विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता अधिनियम की धारा 17क की उप-धारा (2) के निबंधनों के अनुसार एक या अधिक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों को सूचीबद्धता के लिए आवेदन करेगी । |
| साख निर्धारण | 25. | <p>(1) कोई भी विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता तब तक जनता को प्रतिभूत ऋण लिखतों का प्रस्ताव नहीं करेगी जब तक कि कम से कम दो रजिस्ट्रीकृत साख निर्धारण एजेंसियों से साख निर्धारण अभिप्राप्त नहीं कर लिया जाता है ।</p> <p>(2) प्रतिभूत ऋण लिखतों के संबंध में विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता द्वारा अभिप्राप्त सभी साख निर्धारणों को प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किया जाएगा, जिसमें अस्वीकृत साख निर्धारण भी सम्मिलित हैं ।</p> <p>(3) विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता द्वारा निर्गमित प्रतिभूत ऋण लिखतों की रेटिंग करने वाली साख निर्धारण एजेंसी रेटिंग के तर्काधार में निम्नलिखित के प्रति संदर्भ को सम्मिलित करेगी :</p> <p>(क) आस्ति पूल की क्वालिटी और नकदी प्रवाहों का सामर्थ्य ;</p> <p>(ख) भुगतान संरचना ;</p> <p>(ग) क्रेडिट वृद्धियों की पर्याप्तता ;</p> <p>(घ) प्रारंभकर्ता की रूपरेखा ;</p> <p>(ङ) विनिधानकर्ताओं के लिए जोखिम तथा चिंताएँ और कमी करने वाले कारक ;</p> <p>(च) सर्विसर की क्वालिटी और अनुभव ;</p> <p>(छ) सर्विसर संविदा के निबंधन ;</p> |

- (ज) बैंक-अप सर्विसर की नियुक्ति के लिए उपबंध, यदि कोई हो ;
- (झ) कोई अन्य सुसंगत जानकारी ।

प्रस्ताव दस्तावेज की
विषय-वस्तु

26. (1) विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता या उसके न्यासी द्वारा जारी किए गए प्रस्ताव दस्तावेज में समस्त तात्विक जानकारी अंतर्विष्ट होगी जो विनिधान (निवेश) के संबंध में सोच-समझकर विनिश्चय करने में विनिधानकर्ता (निवेशक) के लिए सही, उचित और पर्याप्त है और जिसमें अनुसूची V में विनिर्दिष्ट मामले भी प्रकट होंगे ।
- (2) प्रस्ताव दस्तावेज में ऐसा कथन सम्मिलित नहीं होगा जो विशेषज्ञ द्वारा किया जाना तात्पर्यित हो, जब तक कि -
- (क) उसने उस रूप और संदर्भ में सम्मिलित कथन के साथ जारी होने वाले प्रस्ताव दस्तावेज के प्रति अपनी लिखित सहमति दे दी है, जिसमें यह सम्मिलित है ;
- (ख) बोर्ड के पास इसके दाखिल किये जाने से पूर्व उसके द्वारा ऐसी सहमति प्रतिसंहत न हुई हो ; और
- (ग) यह कथन कि उसने अपनी सहमति दी है और वापस नहीं ली है, यथा पूर्वोक्त, प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट होता है ।

स्पष्टीकरण : इस विनियम के प्रयोजन के लिए "विशेषज्ञ" का वही अर्थ होगा जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 59 की उप-धारा (2) में है।

प्रस्ताव दस्तावेज में
अशुद्ध कथनों का
प्रतिषेध

27. (1) प्रतिभूत ऋण लिखतों के प्रस्ताव के संबंध में विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता द्वारा जारी प्रस्ताव दस्तावेज या किसी रिपोर्ट या ज्ञापन में कोई मिथ्या या भ्रामक कथन अंतर्विष्ट नहीं होगा ।

- (2) प्रस्ताव दस्तावेज में किसी ऐसे तात्त्विक तथ्य के प्रकटीकरण का लोप नहीं होगा जो उसमें किए गए कथनों को, उन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए जिनके अधीन वे किए जाते हैं, भ्रामक बना दे।
- निर्गम की हामीदारी** 28. विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता द्वारा किए गए सार्वजनिक प्रस्ताव की हामीदारी बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत हामीदार द्वारा की जा सकेगी।
- प्रस्ताव की कालावधि** 29. प्रतिभूत ऋण लिखतों का कोई भी सार्वजनिक प्रस्ताव तीस से अधिक दिनों के लिए खुला नहीं रहेगा।
- न्यूनतम अभिदान** 30. (1) प्रस्ताव दस्तावेज न्यूनतम अभिदान को प्रकट करेगा जो यह स्कीम के अधीन जुटाना चाहता है।
- (2) कोई भी प्रतिभूत ऋण लिखतें सार्वजनिक प्रस्ताव के अधीन आबंटित नहीं की जाएँगी जब तक कि प्रतिभूत ऋण लिखतों की न्यूनतम संख्या जो न्यूनतम अभिदान को नियत करेगी की बाबत अभिदान प्राप्त न हो गये हों।
- (3) न्यूनतम अभिदान की अप्राप्ति या किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज द्वारा सूचीबद्धता के इंकार की दशा में, सार्वजनिक प्रस्ताव में प्राप्त समस्त आवेदन धन तुरंत आवेदकों को लौटा दिया जाएगा।
- इस विनियम और अनुसूची V के प्रयोजनों के लिए "न्यूनतम अभिदान" उस मात्रा को निर्दिष्ट करता है जो, प्रारंभकर्ता के निदेशकों और विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता के न्यासियों की राय में, अनिवार्यतः प्रतिभूत ऋण लिखतों के निर्गमन द्वारा जुटायी जानी चाहिए।

**आबंटन और अन्य
बाध्यताएँ**

31. (1) प्रतिभूत ऋण लिखतें निम्नलिखित समय कालावधियों के भीतर विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को आबंटित की जाएँगी :-
- (क) गैर-कागजी रूपी प्रतिभूत ऋण लिखतों के मामले में - प्रस्ताव के बंद होने के पाँच दिनों के भीतर ;
 - (ख) कागजी रूप में प्रतिभूत ऋण लिखतों के मामले में - प्रमाणपत्र प्रस्ताव के बंद होने के आठ दिनों के भीतर प्रेषित किए जाएँगे ।
- (2) कोई भी विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता किसी सार्वजनिक प्रस्ताव में प्राप्त कोई अधिक-अभिदान नहीं रखे रहेगी ।
- (3) अधिक-अभिदान की दशा में, आबंटन मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों जिनको सूचीबद्धता के लिए आवेदन किया गया था के परामर्श से आबंटन, जिसे अंतिम रूप दिया गया हो, के आधार के अनुसार किया जाएगा।
- (4) विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता प्रस्ताव के बंद होने के आठ दिनों के भीतर असफल या आंशिक रूप से सफल आवेदकों को प्रतिदाय आदेश प्रेषित करेगी ।
- (5) उस मामले में जहाँ निर्गम आगमें प्रस्ताव दस्तावेज में किए गए प्रकटीकरणों के अनुसार लौटाये जाने के दायित्व के अधीन आती हैं, वहाँ विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता प्रस्ताव के बंद होने के आठ दिनों के भीतर आवेदकों को प्रतिदाय आदेश प्रेषित करेगी ।
- (6) जहाँ आबंटन उप-विनियम (1) के खण्ड (क) में उल्लिखित समय कालावधि के भीतर नहीं किया जाता है या जहाँ प्रमाणपत्र उप-विनियम (1) के खण्ड (ख) में उल्लिखित समय के भीतर प्रेषित नहीं किये जाते हैं, वहाँ विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता और उसका प्रत्येक न्यासी, और जहाँ कोई ऐसा न्यासी निगमित

निकाय है, उसका प्रत्येक निदेशक, जिसने चूक की है, ऐसी कालावधि की समाप्ति से ही, संयुक्ततः और पृथक्तः संबद्ध आवेदकों को पंद्रह प्रतिशत प्रति वर्ष की दर पर ब्याज अदा करने के दायी होंगे ।

(7) जहाँ प्रतिदाय आदेश उप-विनियम (4) या (5) में उल्लिखित समय के भीतर प्रेषित नहीं किये जाते हैं, वहाँ विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता और उसका प्रत्येक न्यासी, और जहाँ कोई ऐसा न्यासी निगमित निकाय है, उसका प्रत्येक निदेशक, जिसने चूक की है, आठवें दिन की समाप्ति से ही, संयुक्ततः और पृथक्तः वह धन पंद्रह प्रतिशत प्रति वर्ष की दर पर ब्याज के साथ प्रतिसंदत्त करने के दायी होंगे ।

(8) उप-विनियम (6) और (7) का प्रभाव इन विनियमों या किसी अन्य विधि के किन्हीं अन्य उपबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना होगा ।

निर्गमन के पश्चात् की
बाध्यताएँ

32. विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता बोर्ड को या विनिधानकर्ताओं को ऐसी रिपोर्टें दाखिल करेगी और ऐसी जानकारी देगी, बोर्ड द्वारा समय-समय पर यथा निदिष्ट ।

अध्याय VI

विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के अधिकार

प्रतिभूत ऋण लिखतों
की अंतरणीयता

33. विनियम 38 के उपबंधों के अध्यधीन, इन विनियमों के अनुसार जनता को निर्गमित या मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध प्रतिभूत ऋण लिखतें निर्बाध रूप से अंतरणीय होंगी ।

विशेष प्रयोजन की
सुभिन्न सत्ता द्वारा
निर्गमित प्रतिभूतियों में
विनिधानकर्ताओं
(निवेशकों) के अधिकार

34. (1) न्यास विलेख या अन्य लिखत जिसमें विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता द्वारा निर्गमित प्रतिभूत ऋण लिखतों के निर्गमन के निबंधन समाविष्ट हैं में यह उपबंध होगा कि ऐसी प्रतिभूत ऋण लिखतों को धारण करने वाले विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के पास अंडरलाइंग ऋण या प्राप्यों में ऐसा फायदाप्रद हित है जैसा स्कीम द्वारा प्रदान किया गया हो ।
- (2) प्रस्ताव दस्तावेज के माध्यम से प्रस्तावित या सूचीबद्ध किन्हीं प्रतिभूत ऋण लिखतों का मोचन करने में विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता की असफलता की दशा में, समय के भीतर और प्रस्ताव दस्तावेज में कथित शर्तों या निर्गमन के अन्य निबंधनों के अनुसार, ऐसी प्रतिभूत ऋण लिखतों के अभिहित मूल्य में कम से कम दस प्रतिशत धारण करने वाले विनिधानकर्ता (निवेशक) सभी ऐसे विनिधानकर्ताओं की बैठक बुलाने के हकदार होंगे ।
- (3) ऐसी बैठक में, विनिधानकर्ता -
- (क) न्यासी और विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता से स्कीम का परिसमापन करने और वसूलियों को वितरित करने की अपेक्षा करने ;
- (ख) न्यासी को हटाने ;
- (ग) खण्ड (ख) के अधीन हटाये गये न्यासी के स्थान पर नये न्यासी को नियुक्त करने

का प्रस्ताव प्रस्तावित कर सकेंगे :

परंतु यह कि कोई ऐसा विनिश्चय स्कीम के विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के विशेष संकल्प के द्वारा लिया जाएगा और कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 179 तथा 189 ऐसे विशेष संकल्प के प्रति यथावश्यक परिवर्तन सहित लागू होंगी :

परंतु यह और कि खण्ड (ग) के अधीन नियुक्त नया न्यासी इन विनियमों के अधीन बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत है या ऐसे रजिस्ट्रीकरण से छूट-प्राप्त है ।

- (4) न्यासी और विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता उप-विनियम (3) के अधीन विनिधानकर्ताओं द्वारा पारित संकल्पों को कार्यान्वित करने के लिए सभी उचित कदम उठायेगी ।
- (5) उप-विनियम (3) के अधीन बैठक बुलाने तथा आयोजित करने में उपगत किन्हीं उचित व्ययों और न्यासी या नये न्यासी द्वारा उपगत किन्हीं उचित व्ययों, यथास्थिति, स्कीम का परिसमापन करने और आनुषंगिक क्रियाकलापों में, की पूर्ति या प्रतिपूर्ति आस्ति पूल से वसूलियों में से की जाएगी ।
- (6) प्रतिभूत ऋण लिखतों के निर्गमन के निबंधनों में प्रतिकूल रूप से फेरफार विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) की सहमति के बिना नहीं किया जाएगा ।
- (7) उप-विनियम (6) के प्रयोजनों के लिए, यह समझा जाएगा कि विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) ने फेरफार के प्रति अपनी सहमति दे दी है यदि और केवल यदि इक्कीस दिनों की सूचना (नोटिस) उनको दी जाती है, प्रस्तावित फेरफार की, और यह डाक मतपत्र के माध्यम से उनके द्वारा पारित विशेष संकल्प द्वारा अनुमोदित है ।
- (8) कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 189 तथा 192क और उसके अधीन विरचित नियम यथावश्यक परिवर्तन सहित उप-विनियम (7) में निर्दिष्ट विशेष संकल्प के प्रति लागू होंगे ।

अध्याय VII

प्रतिभूत ऋण लिखतों की सूचीबद्धता

सूचीबद्धता के लिए
आवेदन

35. (1) विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता, अधिनियम की धारा 17क की उप-धारा (2) द्वारा मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में इसके द्वारा निर्गमित प्रतिभूत ऋण लिखतों को सूचीबद्ध कराने के लिए अपेक्षित या अन्यथा इसके द्वारा निर्गमित प्रतिभूत ऋण लिखतों को इस प्रकार सूचीबद्ध कराने की इच्छुक, स्टॉक एक्सचेंज को इसके द्वारा विनिर्दिष्ट प्ररूप में निम्नलिखित दस्तावेजों और विशिष्टियों के साथ आवेदन करेगी :
- (क) न्यास विलेख या अन्य गठन संबंधी दस्तावेज, यथास्थिति ;
- (ख) किसी भी समय विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता या इसके न्यासी द्वारा प्रतिभूति ऋण लिखतों के प्रस्ताव के संबंध में सभी प्रस्ताव दस्तावेजों और विज्ञापनों की प्रतियाँ ;
- (ग) प्रत्येक तात्विक दस्तावेज या प्रस्तावित दस्तावेज की प्रमाणित प्रति जो किसी ऐसे प्रस्ताव दस्तावेज में निर्दिष्ट हैं ;
- (घ) वित्तीय संस्था या अन्य व्यक्ति से ऋण या प्राप्यों के अर्जन या प्रस्तावित अर्जन के संबंध में करारनामों या बोध ज्ञापनों की प्रमाणित प्रतियाँ ;
- (ङ) इन विनियमों के अधीन न्यासी को बोर्ड द्वारा प्रदान किए गए रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की प्रमाणित प्रति ;
- (च) विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता द्वारा निर्गमित किन्हीं अन्य प्रतिभूत ऋण लिखतों का नमूना जो सूचीबद्ध हैं या सूचीबद्ध किये जाने के लिए प्रस्तावित हैं ;

(छ) कोई अन्य दस्तावेज या विशिष्टि जैसा स्टॉक एक्सचेंज द्वारा अपेक्षित किया जाए ।

(2) सूचीबद्धता के लिए शर्त के रूप में, विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता द्वारा निर्गमित प्रतिभूत ऋण लिखतों के निम्नलिखित लक्षण होंगे :

(क) निर्बाध अंतरणीयता ;

(ख) आस्ति पूल में विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के ऐसे अविभक्त फायदाप्रद हित के स्वरूप में जैसा स्कीम में विनिर्दिष्ट है, और जो विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता या प्रारंभकर्ता के ऋण को नियत न करता हो ;

(ग) उसके धारकों के अभिलेख रखना, चाहे उन्हें कागजी रूप में धारण किया जा रहा हो या गैर-कागजी रूप में।

(3) विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों के साथ सूचीबद्धता करारनामा करेगी जहाँ प्रतिभूत ऋण लिखतें सूचीबद्ध किये जाने के लिए प्रस्तावित हैं ।

(4) प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 के नियम 19 के उप-नियम (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बोर्ड एतद्वारा इन विनियमों के निबंधनों के अनुसार निर्गमित प्रतिभूत ऋण लिखतों की सूचीबद्धता के संबंध में उक्त नियम के उप-नियम (1) से (3) के कड़े प्रवर्तन को अधित्यक्त करता है, इन विनियमों के अनुपालन के अध्यक्षीन ।

सूचीबद्धता के लिए
न्यूनतम सार्वजनिक
प्रस्ताव

36. (1) प्रतिभूत ऋण लिखतों के सार्वजनिक प्रस्तावों की बाबत, विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता या उसका न्यासी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज जिसको सूचीबद्धता आवेदन किया जाता है का यह समाधान करेगा कि प्रतिभूत ऋण लिखतों की प्रत्येक स्कीम कम

से कम दो दिनों की कालावधि के लिए समाचारपत्रों में विज्ञापनों के माध्यम से अभिदान के लिए जनता को प्रस्तावित थी और यह कि प्रस्ताव के अनुसरण में प्राप्त आवेदनों का आबंटन इन विनियमों और प्रस्ताव दस्तावेज में किए गए प्रकटीकरणों के अनुसार हुआ था।

- (2) प्रतिभूत ऋण लिखतों के निजी स्थानन (प्राइवेट प्लेसमेंट) के मामले में, विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता यह सुनिश्चित करेगी कि इसने इसकी प्रतिभूत ऋण लिखतों की बाबत रजिस्ट्रीकृत साख निर्धारण एजेंसी से साख निर्धारण अभिप्राप्त कर लिया है।
- (3) प्रतिभूत ऋण लिखतों के निजी स्थानन (प्राइवेट प्लेसमेंट) के मामले में, विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के पास सूचीबद्धता की विशिष्टियाँ विनियम 35 के उप-विनियम (1) के अधीन किए गए आवेदन के साथ दाखिल करेगी, ऐसी जानकारी अंतर्विष्ट करते हुए जो द्वितीयक (सेकंडरी) बाजार में किसी विनिधानकर्ता (निवेशक) के लिए इसकी प्रतिभूत ऋण लिखतों की बाबत सोच-समझकर विनिश्चय करने के लिए आवश्यक हो।
- (4) उप-विनियम (2) के अनुसरण में अभिप्राप्त सभी साख निर्धारणों, जिनमें अस्वीकृत रेटिंगें भी सम्मिलित हैं, यदि कोई हों, को उप-विनियम (3) के अधीन मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के पास दाखिल सूचीबद्धता की विशिष्टियों में प्रकट किया जाएगा।

सतत सूचीबद्धता शर्तें 37.

- (1) विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता या उसका न्यासी ऐसी जानकारी, जिसमें स्कीमों संबंधी वित्तीय जानकारी सम्मिलित है, स्टॉक एक्सचेंजों और विनिधानकर्ताओं को प्रस्तुत करेंगे और ऐसी अन्य सतत बाध्यताओं का अनुपालन करेंगे जैसा सूचीबद्धता करारनामे में नियत किया जाए।

- (2) विनियम 25 के उप-विनियम (1) के अधीन या विनियम 36 के उप-विनियम (2) के अधीन विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता द्वारा अभिप्राप्त प्रत्येक रेटिंग का पुनर्विलोकन सामयिक रूप से (एक वर्ष के अपश्चात्) रजिस्ट्रीकृत साख निर्धारण एजेंसी द्वारा किया जाएगा और रेटिंग में किसी पुनरीक्षण को तत्परता से विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता द्वारा उन मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों को प्रकट किया जाएगा जहाँ प्रतिभूत ऋण लिखतें सूचीबद्ध हैं।
- (3) विनियम 36 के उप-विनियम (3) और इस विनियम के उप-विनियम (1) तथा (2) के अधीन मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के पास दाखिल की गयी जानकारी को तत्परता से ऐसी रीति में विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) और भावी विनिधानकर्ताओं को प्रसारित किया जाएगा जैसा मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज अवधारित करे।

प्रतिभूत ऋण लिखतों
का व्यापार

38. जनता को या निजी स्थानन आधार पर निर्गमित प्रतिभूत ऋण लिखतों, जो मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध हैं, का व्यापार किया जाएगा और ऐसे व्यापारों का समाशोधन और निपटान मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों में बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन किया जाएगा।

अध्याय VIII

निरीक्षण और अनुशासनिक कार्यवाहियाँ

जानकारी मंगाने की
शक्ति

39. बोर्ड प्रारंभकर्ता, विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता, न्यासी (चाहे बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत हो या न हो), प्रायोजक, सर्विसरों, हामीदारों, क्रेडिट वृद्धिकर्ताओं, अर्थसुलभता प्रदाताओं अथवा प्रतिभूतिकरण या किसी विनियमित क्रियाकलाप से सहयुक्त किसी अन्य व्यक्ति से जानकारी मंगा सकेगा।

**बोर्ड द्वारा निरीक्षण का
अधिकार - 40.**

- (1) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 की धारा 11 और 11ग के उपबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, बोर्ड उप-विनियम (2) में विनिर्दिष्ट प्रयोजनों में से किसी प्रयोजन के लिए विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता या इसकी किन्हीं स्कीमों या इसके न्यासी (चाहे बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत हो या न हो) या सर्विसर या किसी अन्य एजेंट की लेखा बहियों, अभिलेखों और दस्तवेजों का निरीक्षण करने के लिए एक या अधिक व्यक्तियों को नियुक्त कर सकेगा ।
- (2) उप-विनियम (1) में निर्दिष्ट प्रयोजन निम्नानुसार हो सकेंगे, अर्थात् :-
 - (क) यह सत्यापित करना कि क्या लेखा बहियाँ रखी जा रही हैं और मूल्यांकन किये जा रहे हैं, समुचित रीति में ;
 - (ख) यह सत्यापित करना कि क्या अधिनियम, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15), तदधीन बनाए गए नियमों और विनियमों के उपबंधों का अनुपालन किया जा रहा है ;
 - (ग) विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता के विनियमित क्रियाकलापों से संबंधित किसी मामले पर विनिधानकर्ताओं (निवेशकों), अन्य बाजार सहभागियों या किन्हीं अन्य व्यक्तियों से प्राप्त शिकायतों की जांच करना ;
 - (घ) विनिधानकर्ता (निवेशक) संरक्षण के हित में या बाजार की सत्यनिष्ठा में स्वप्रेरणा से विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता के कार्यकलापों की जांच करना, जहाँ तक कि यह इसके विनियमित क्रियाकलापों से संबंधित है ;
 - (ङ) यह जांच करना कि क्या प्रतिभूतिकरण या विनियमित क्रियाकलाप अधिनियम और इन विनियमों के उपबंधों

के अनुसार किया जा रहा है ;

- (च) यह जांच करना कि क्या आचार संहिता का पालन किया गया है ।

निरीक्षण के पूर्व सूचना 41. (1) विनियम 40 के अधीन निरीक्षण करने से पूर्व, बोर्ड विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता या अन्य व्यक्ति को युक्तियुक्त सूचना (नोटिस) देगा ।

- (2) उप-विनियम (1) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, जहाँ बोर्ड का यह समाधान हो जाता है कि विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के हित में कोई ऐसी सूचना नहीं दी जानी चाहिए, यह लिखित रूप में आदेश द्वारा यह निदेश दे सकेगा कि विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता या अन्य व्यक्ति के कार्यकलापों का निरीक्षण ऐसी सूचना के बिना किया जाए ।

- (3) निरीक्षण के दौरान विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता और अन्य व्यक्ति विनियम 42 के अधीन यथा उपबंधित इसकी बाध्यताओं का निर्वहन करने के लिए आबद्ध होंगे ।

निरीक्षण के संबंध में विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ताओं की बाध्यताएँ 42. (1) विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता के प्रत्येक निदेशक, न्यासी, अधिकारी, कर्मचारी, सर्विसर या किसी अन्य एजेंट, जिसका निरीक्षण किया जा रहा है, का यह कर्तव्य होगा कि वह निरीक्षण प्राधिकारी को अपनी अभिरक्षा या नियंत्रण में पड़ी ऐसी लेखा बहियाँ और अन्य दस्तावेज पेश करे और उसे विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता के विनियमित क्रियाकलापों से संबंधित ऐसे कथन तथा जानकारी दे जैसी वह विनिर्दिष्ट समय के भीतर अपेक्षा करे ।

- (2) उप-विनियम (1) में उल्लिखित व्यक्ति निरीक्षण प्राधिकारी को अनुज्ञात करेंगे कि वह उस परिसर तक युक्तियुक्त पहुंच रख सके जिसके अधिभोगी ऐसी

विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता या इसकी ओर से कोई अन्य व्यक्ति हों और किन्हीं बहियों, अभिलेखों, दस्तावेजों, कंप्यूटर प्रणालियों और कंप्यूटर आंकड़ों, जो विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता या किसी ऐसे अन्य व्यक्ति के कब्जे में हों, की परीक्षा करने के लिए उचित सुविधा भी देगा और दस्तावेजों या अन्य सामग्री की प्रतियाँ भी उपलब्ध करायेगा जो निरीक्षण प्राधिकारी की राय में निरीक्षण के प्रयोजनों के लिए सुसंगत हैं।

- (3) निरीक्षण प्राधिकारी निरीक्षण के दौरान, विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता या अन्य व्यक्ति के किसी प्रधान अधिकारी, निदेशक, भागीदार, स्वत्वधारी और कर्मचारी, जिसके अभिलेखों या अन्य दस्तावेजों का निरीक्षण किया जा रहा है, के कथनों की परीक्षा करने या को अभिलिखित करने का हकदार होगा।
- (4) विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता या अन्य व्यक्ति के प्रत्येक निदेशक, स्वत्वधारी, भागीदार, अधिकारी, कर्मचारी, सर्विसर या अन्य एजेंट, जिसके अभिलेखों या अन्य दस्तावेजों का निरीक्षण किया जा रहा है, का यह कर्तव्य होगा कि वह निरीक्षण प्राधिकारी को निरीक्षण के संबंध में सभी सहायता दे जैसी विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता से उचित प्रकार से देने की प्रत्याशा की जाए।

लेखापरीक्षक या
मूल्यांकक की नियुक्ति

43. (1) बोर्ड विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता, विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता के सर्विसर या अन्य एजेंट की लेखा बहियों का निरीक्षण करने या के कार्यकलापों की जांच करने के लिए अर्हित लेखापरीक्षक को नियुक्त कर सकेगा जहाँ तक यह इसके विनियमित क्रियाकलापों से संबंधित है :

परंतु यह कि इस प्रकार नियुक्त लेखापरीक्षक के पास निरीक्षण प्राधिकारी की वही शक्तियाँ होंगी जो विनियम 40 में उल्लिखित हैं और विनियम 42 में विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता तथा इसके कर्मचारियों की बाध्यता इस विनियम के अधीन अन्वेषण के प्रति लागू होगी ।

स्पष्टीकरण : इस उप-विनियम के प्रयोजनों के लिए, पद "अर्हित लेखापरीक्षक (संपरीक्षक)" का वही अर्थ होगा जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 226 से प्राप्त है ।

- (2) बोर्ड मूल्यांकक को नियुक्त कर सकेगा या मूल्यांकक को नियुक्त किये जाने का निदेश दे सकेगा, यदि विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता द्वारा अर्जित या धारित आस्ति पूलों के समुचित मूल्यांकन के प्रयोजन के लिए स्कीम में विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के हित में ऐसा अपेक्षित हो ।
- (3) उप-विनियम (1) के अधीन ऐसी लेखापरीक्षा या उप-विनियम (2) के अधीन मूल्यांकन के व्यय प्रारंभकर्ता, न्यासी, या अन्य व्यक्ति द्वारा उठाये जायेंगे यदि बोर्ड द्वारा ऐसा विनिर्दिष्ट हो ।

बोर्ड को रिपोर्ट प्रस्तुत करना

44. (1) निरीक्षण प्राधिकारी, यथासंभव शीघ्र, बोर्ड को निरीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा ।
- (2) निरीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत किये जाने पर, बोर्ड उस पर ऐसी कार्रवाई कर सकेगा जैसी यह ठीक तथा समुचित समझे ।

अध्याय IX

चूक की दशा में कार्रवाई के लिए प्रक्रिया

रजिस्ट्रीकरण का
रद्दकरण या निलंबन

45. (1) न्यासी, जो -

(क) किन्हीं शर्तों जिनके अधीन प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है का अनुपालन करने में असफल रहता है ;

(ख) अधिनियम, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) या तदधीन बनाए गए विनियमों के उपबंधों में से किसी उपबंध का उल्लंघन करता है, -

को विनियम 6 के अधीन प्रदान किया गया रजिस्ट्रीकरण बोर्ड द्वारा रद्द या निलंबित किया जा सकेगा :

परंतु यह कि कोई ऐसा रजिस्ट्रीकरण रद्द या निलंबित नहीं किया जाएगा जब तक कि न्यासी को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 के अधीन किसी मध्यवर्ती को प्रदान किए गए रजिस्ट्रीकरण के रद्दकरण या निलंबन की बाबत यथा लागू रीति में सुनवाई का अवसर न दे दिया गया हो ।

(2) न्यासी के रजिस्ट्रीकरण के निलंबन या रद्दकरण का आदेश पारित करते समय, बोर्ड ऐसी कालावधि के भीतर और ऐसी रीति में विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता की स्कीमों का परिसमापन करने का भी निदेश दे सकेगा जैसा निदेश दिया जाए ।

स्पष्टीकरण : इस उप-विनियम के प्रयोजन के लिए, "स्कीमों का परिसमापन" से आस्ति पूल का समापन और स्कीम में विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को उसकी आगमों का प्रतिसंदाय अभिप्रेत होगा ।

(3) प्रमाणपत्र के रद्दकरण के होते हुए भी, न्यासी, ऐसे निदेशों के अध्यक्षीन जो बोर्ड समुचित समझे, अधिनियम, इन विनियमों, तदधीन जारी किसी परिपत्र और सूचीबद्धता करारनामे का अनुपालन सुनिश्चित करेगा, जब तक एक अन्य रजिस्ट्रीकृत न्यासी उसके स्थान पर नियुक्त नहीं कर दिया जाता है या विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता इसकी स्कीमों का परिसमापन नहीं कर देती और विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को प्रतिसंदाय नहीं कर देती, जो भी पूर्वतर हो ।

(4) इस विनियम में अंतर्विष्ट किसी भी बात से यह नहीं समझा जाएगा कि यह अधिनियम की धारा 12क, 21क, 23, 23क, 23ग, 23ड, 23ज तथा 23ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 11, 11ख, 11घ तथा 24 और अध्याय VIक और प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 के नियम 19 के प्रवर्तन पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है ।

निदेश

46. अधिनियम, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) और विनियम 45 के अधीन कार्रवाइयों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, बोर्ड प्रतिभूति बाजार के हित में, विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के हित में या किसी विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता या न्यासी (चाहे बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत हो या न हो) के उचित प्रबंध को सुनिश्चित करने के प्रयोजन के लिए, निम्नलिखित निदेशों में से कोई या सभी, पारित कर सकेगा :

(क) निर्गम के अधीन एकत्रित कोई धन विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को अपेक्षित ब्याज सहित या रहित, यथास्थिति, लौटाने के लिए प्रारंभकर्ता अथवा प्रतिभूतिकरण या विनियमित क्रियाकलाप से सहयुक्त किन्हीं अन्य व्यक्तियों को निदेश देना ;

(ख) प्रतिभूतिकरण या संबद्ध विनियमित क्रियाकलाप से सहयुक्त व्यक्तियों को पूँजी बाजार में पहुंच न रखने अथवा विशिष्ट कालावधि के लिए प्रतिभूतियों या प्रतिभूत ऋण लिखतों में व्यौहार न करने अथवा प्रतिभूतिकरण या विनियमित क्रियाकलापों में न लगने का निदेश देना ;

(ग) संबद्ध मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज को प्रतिभूत ऋण लिखतों में व्यापार की अनुज्ञा न देने का निदेश देना ;

- (घ) संबद्ध मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज को प्रतिभूत ऋण लिखतों में व्यापार को निलंबित करने का निदेश देना ;
- (ङ) कोई अन्य निदेश जो बोर्ड मामले की परिस्थितियों में उपयुक्त तथा उचित समझे ;

परंतु यह कि कोई निदेश जारी करने से पूर्व बोर्ड संबद्ध व्यक्ति को सुने जाने का उचित अवसर दे सकेगा :

परंतु यह और कि यदि कोई अंतरिम निदेश पारित किया जाना अपेक्षित है, तो बोर्ड ऐसे व्यक्ति को विनिश्चय के पश्चात् सुनवाई का अवसर दे सकेगा ।

अपील

47. अधिनियम, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) या इन विनियमों के अधीन बोर्ड या न्यायनिर्णायक अधिकारी के आदेश से या मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज द्वारा सूचीबद्धता के इंकार से व्यथित व्यक्ति, प्रतिभूति संविदा (विनियमन) (प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण [अपील अधिकरण] को अपील) नियम, 2000 के साथ पठित अधिनियम की धारा 23ठ, या प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण [अपील अधिकरण] (प्रक्रिया) नियम, 2000 के साथ पठित भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 15न के अनुसार प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण [अपील अधिकरण] को अपील कर सकेगा ।

अध्याय X

विविध

स्पष्टीकरण जारी करने की बोर्ड की शक्ति

48. इन विनियमों के लागू होने या निर्वचन में किन्हीं कठिनाइयों को दूर करने के लिए, बोर्ड परिपत्रों के रूप में स्पष्टीकरण और मार्गदर्शक सिद्धांत जारी कर सकेगा ।

शक्तियों का प्रत्यायोजन

49. इन विनियमों के अधीन बोर्ड द्वारा प्रयोग की जा सकने वाली शक्तियाँ बोर्ड के किसी अधिकारी द्वारा भी प्रयोग की जा सकेंगी जिसको ऐसी शक्तियाँ बोर्ड द्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 19 के अधीन दिए गए आदेश के द्वारा प्रत्यायोजित की जाती हैं।

अन्य विधियों का लागू होना

50. इन विनियमों के उपबंध, भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 (1882 का 2) या तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के अधीन न्यासियों या विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता या प्रतिभूतिकरण के अन्य पक्षकारों के कर्तव्यों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना हैं ।

अनुसूची ।
भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड
(प्रतिभूत ऋण लिखतों [सिक्क्योरिटाइज्ड डैट इन्स्ट्रुमेंट्स] का सार्वजनिक प्रस्ताव
और इनकी सूचीबद्धता) विनियम, 2008

[विनियम 4(3) और 6(3) देखें]

प्ररूप

प्ररूप क

रजिस्ट्रीकरण चाहने के लिए आवेदन प्ररूप

आवेदक का नाम.....
 संपर्क व्यक्ति.....
 अनुपालन अधिकारी का नाम.....
 दूरभाष सं.: फैक्स सं.:
 ई-मेल. वेबसाइट :

प्ररूप भरने के लिए अनुदेश :-

1. आवेदकों द्वारा पूर्ण आवेदन प्ररूप बोर्ड को समुचित समर्थक दस्तावेजों के साथ अनिवार्यतः प्रस्तुत किया जाना चाहिए ।
2. यह महत्वपूर्ण है कि यह आवेदन प्ररूप विनियमों के अनुसार भरा जाना चाहिए ।
3. जो जानकारी अधिक विस्तारपूर्वक दी जानी आवश्यक है वह पृथक् पन्नों पर दी जा सकेगी जो आवेदन प्ररूप से संलग्न होने चाहिए ।
4. आवेदन अनिवार्यतः सक्षम व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित होना चाहिए जिसके पास ऐसा करने का प्राधिकार हो और सभी हस्ताक्षर अनिवार्यतः मूल होने चाहिए ।

प्रायोजक के बारे में

1. प्रायोजक का नाम
 2. रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का पता / पत्राचार का पता
- दूरभाष संख्याएँ
 टेलेक्स संख्याएँ
 फैक्स संख्याएँ
 ई-मेल
 वेबसाइट

3. संपर्क व्यक्ति का नाम
 4. प्रायोजक के निगमन की तारीख और का स्थान
(निगमन प्रमाणपत्र की प्रति संलग्न करें)
 5. प्रायोजक के उद्देश्य
(संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद की प्रति संलग्न करें)
- मुख्य उद्देश्य
आनुषंगिक उद्देश्य
6. पूंजी की संरचना और शेयरधारिता का स्वरूप
 7. वर्तमान कारोबारी क्रियाकलाप
उन क्रियाकलापों में वर्षों की संख्या
 8. संक्षिप्त वित्तीय जानकारी
(पाँच वर्षों हेतु तुलनपत्र तथा लाभ और हानि लेखा संलग्न करें)
 9. लेखा नीतियाँ
(महत्वपूर्ण लेखा नीतियों का विवरण दें)
 10. प्रणालियाँ और प्रक्रियाएँ
(कंपनी का कारबार चलाने के लिए कंपनी में प्रणालियों तथा प्रक्रियाओं और आवश्यक आंतरिक नियंत्रणों का विवरण दें)
 11. सहयुक्त संगठनों / समूह कंपनियों / समनुषंगियों, आदि के नाम
 12. कंपनी के प्रायोजक बोर्ड का प्रबंधतंत्र, निदेशकों के नामों, अनुभव, अर्हता, और वृत्ति सहित।
मूल कार्मिक के नाम
संगठनात्मक संरचना
सहयुक्त संगठनों, कंपनियों और समनुषंगियों का निदेशक बोर्ड
 13. प्रायोजक के बैंकों के नाम और पते
 14. प्रायोजक के लेखापरीक्षकों के नाम और पते
 15. न्यायालय के मामले / मुकदमे जिनमें प्रायोजक अंतिम तीन वर्षों में अंतर्वर्तित रहा हो ।

संक्षिप्त वित्तीय जानकारी

(क) आय विवरण

वर्ष (रु.)

1 2 3 4 5

आय :

लाभांश

व्यापार

प्रबंध फीस

अन्य आय

कुल _____

व्यय :

निदेशक का पारिश्रमिक

न्यासीपद की फीस

अभिरक्षा फीस

रजिस्ट्रार की फीस

अन्य व्यय

कुल _____

सकल लाभ

मूल्यहास

कर से पूर्व शुद्ध लाभ

कर

कर के पश्चात् लाभ

लाभाँश

प्रतिधारित उपार्जन

(ख) आस्तियाँ और दायित्व

वर्ष (रु.)

1 2 3 4 5

आस्तियाँ :

स्थिर आस्तियाँ

सकल

मूल्यहास

शुद्ध मूल्य

चालू आस्तियाँ _____

विनिधान (निवेश)*

अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)

नकद और बैंक अतिशेष

घटायें :

चालू दायित्व और प्रावधान

शुद्ध-मालियत _____

निम्नलिखित द्वारा व्यपदिष्ट :

पुरोधृत और समादत्त पूँजी

खुली आरक्षितियाँ

(पुनर्मूल्यांकन आरक्षितियों को छोड़कर)

कुल _____

*विनिधानों (निवेशों) की संपूर्ण विशिष्टियाँ उपलब्ध करायें ।

प्ररूप ख**रजिस्ट्रीकरण पत्र का फॉर्मेट**

बोर्ड, प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 के अधीन बनाए गए भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूत ऋण लिखतों [सिक्योरिटाइज्ड डैट इन्स्ट्रुमेंट्स] का सार्वजनिक प्रस्ताव और इनकी सूचीबद्धता) विनियम, 2008 के विनियम 6 के साथ पठित उस अधिनियम की धारा 17क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए _____ को, जनता को प्रतिभूत ऋण लिखतों का प्रस्ताव करने वाली और / या मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में ऐसी लिखतों के लिए सूचीबद्धता चाहने वाली विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता के न्यासी के तौर पर कार्य करने के लिए हकदार न्यासी के रूप में एतद्वारा रजिस्ट्रीकरण प्रदान करता है।

तारीख

आदेश द्वारा

ह./-

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड
के लिए और की ओर से

अनुसूची II

**भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड
(प्रतिभूत ऋण लिखतों [सिक्योरिटाइज्ड डैट इन्स्ट्रुमेंट्स] का सार्वजनिक प्रस्ताव
और इनकी सूचीबद्धता) विनियम, 2008**

[विनियम 4(3), 6(2), 7(ख) और 22(2) देखें]

फीस

1. आवेदक या न्यासी या विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता द्वारा इन विनियमों के अधीन देय फीस निम्नानुसार होगी :

क.	आवेदन फीस	रु.25,000/- (पच्चीस हजार रुपये)
ख.	रजिस्ट्रीकरण फीस	रु.50,000/- (पचास हजार रुपये)
ग.	वार्षिक फीस	रु.10,000/- (दस हजार रुपये)
घ.	प्रस्ताव दस्तावेजों के लिए दाखिल करने की फीस	सार्वजनिक प्रस्ताव में जुटायी गयी रकम का 0.03 प्रतिशत, दस हजार रुपये के न्यूनतम और पच्चीस हजार रुपये के अधिकतम के अध्यधीन।

2. पैरा 1 में उल्लिखित फीस का भुगतान मुम्बई में संदेय "भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड" के पक्ष में लिखे गए मांगदेय ड्राफ्ट (डिमांड ड्राफ्ट) के द्वारा किया जाएगा।

अनुसूची III
भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड
(प्रतिभूत ऋण लिखतों [सिक्योरिटाइज्ड डैट इन्स्ट्रुमेंट्स] का सार्वजनिक प्रस्ताव
और इनकी सूचीबद्धता) विनियम, 2008

[विनियम 7(छ) देखें]

आचार संहिता

1. विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता की स्कीमें प्रारंभकर्ता या प्रायोजक या विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के विशेष वर्ग के हित में संचालित नहीं की जाएंगी, चलायी नहीं जाएंगी, प्रबंधित नहीं की जाएंगी । इस प्रकार संचालन करते समय, चलाते समय और प्रबंध करते समय स्कीम के विनिधानकर्ताओं के सभी वर्गों के हितों पर विचार किया जाएगा ।
2. विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता और इसका न्यासी आस्ति पूलों, प्रारंभकर्ता, क्रेडिट वृद्धिकर्ता, हामीदार, अर्थसुलभता प्रदाता के साथ संव्यवहारों एवं इंतजामों, प्रतिभूत ऋण लिखतों, वित्तीय स्थिति, स्कीम अथवा प्रतिभूतिकरण या विनियमित क्रियाकलाप के किसी अन्य पक्षकार के साथ निर्धारणों और साधारण कार्यकलापों के बारे में साधारण भाषा में उचित रूप में प्रस्तुत पर्याप्त, यथार्थ, स्पष्ट और सामयिक जानकारी सभी विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को प्रसारित करना सुनिश्चित करेंगे ।
3. विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता और इसका न्यासी स्कीमों के कार्यकलापों और अन्य विनियमित क्रियाकलापों को प्रबंधित करने में हित विरोध से बचेंगे और सभी मामलों में सभी विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के हित को सर्वोपरि रखेंगे ।
4. विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता और इसका न्यासी बैंक खातों, आस्ति पूलों और प्रतिभूत ऋण लिखतों के धारकों के खातों या फोलियों का स्कीम के अनुसार पृथक्करण सुनिश्चित करेंगे ।
5. विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता और इसका न्यासी प्रस्ताव दस्तावेजों में कथित उद्देश्यों के अनुसार कारबार चलायेंगे और केवल विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के हित में ही विनिश्चय करेंगे ।
6. विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता और इसका न्यासी, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, प्रतिभूत ऋण लिखतों का विक्रय या विपणन करने अथवा ऐसी लिखतों का क्रय करने हेतु किसी विनिधानकर्ता (निवेशक) को उत्प्रेरित करने के लिए किन्हीं नावाजिब या असदाचारिक साधनों का उपयोग नहीं करेंगे ।

7. विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता और इसका न्यासी आस्ति पूलों के मूल्यांकन तथा संपरिवर्तन में अथवा प्रतिभूतिकरण या किसी अन्य विनियमित क्रियाकलाप के दौरान कोई नावाजिब या असबाचारिक साधन नहीं लगायेंगे।
8. विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता और इसका न्यासी अपने सभी व्यौहारों में और अपने कारबार के संचालन में सत्यनिष्ठा और औचित्य के उच्च स्तर बनाए रखेंगे।
9. विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता और इसका न्यासी सभी समयों पर उच्च स्तरों की सेवा प्रदान करेंगे, सम्यक् तत्परता बरतेंगे और स्वतंत्र वृत्तिक निर्णय करेंगे और अपने कृत्यों का पालन करने में समुचित सावधानी और कुशलता बरतेंगे।
10. विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता और इसका न्यासी या तो सेवाएँ प्रदान करने में उनकी अर्हताओं या क्षमता या उनकी उपलब्धियों या आस्ति पूलों की बाबत, चाहे मौखिक या लिखित रूप में, बढ़ा-चढ़ाकर कोई कथन नहीं करेंगे।
11. विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता और इसका न्यासी सदैव यह सुनिश्चित करेंगे कि इसके द्वारा अर्जित ऋण और प्राप्य वास्तविक संव्यवहार जो सही विक्रय की कोटि में आता हो के माध्यम से हैं और इसके द्वारा वैध रूप से वसूलीयोग्य हैं।

अनुसूची IV

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

(प्रतिभूत ऋण लिखतों [सिक्योरिटाइज्ड डैट इन्स्ट्रुमेंट्स] का सार्वजनिक प्रस्ताव और इनकी सूचीबद्धता) विनियम, 2008

(विनियम 9 देखें)

न्यास की लिखत की विषय-वस्तु

न्यास विलेख या अन्य गठन संबंधी दस्तावेज में निम्नलिखित अंतर्विष्ट होगा, अर्थात् :-

1. कि न्यासी विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता की स्कीमों के ऋणों या प्राप्यों को अपनी अभिरक्षा में, या अपने नियंत्रण के अधीन लेंगे और इसे विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के फायदे के लिए न्यास में धारण करेंगे।
2. कि प्रतिभूत ऋण लिखतों में विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) का अंडरलाइंग ऋण या प्राप्यों में ऐसा फायदाप्रद हित है जैसा स्कीम द्वारा प्रदान किया गया हो।
3. कि न्यासियों का स्वयं अंडरलाइंग ऋणों या प्राप्यों में कोई फायदाप्रद हित नहीं है।
4. न्यासियों के कर्तव्यों और बाध्यताओं को स्पष्ट रूप से विनिर्दिष्ट किया जाएगा।
5. न्यासियों के हित या सहयोजन जो उनका प्रारंभकर्ता या प्रायोजक के साथ हो की विशिष्टियाँ। न्यासी हित या सहयोजन जो उनका प्रारंभकर्ता या प्रायोजक में हो की विशिष्टियाँ न्यासी बोर्ड या न्यासी कंपनी को भी देंगे।

6. प्रारंभकर्ता या इसके सहयुक्तों में से कोई न्यासी पर नियंत्रण प्रयुक्त नहीं करता है।
7. न्यासी विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के हित में कार्य करेंगे और वे विनिधानकर्ताओं और बोर्ड को जानकारी और प्रकटीकरण उपलब्ध करायेंगे या करवायेंगे जैसा बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए।
8. न्यासी यह सुनिश्चित करने के लिए समुचित और सम्यक् सतर्कता बरतेंगे कि विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता द्वारा आरंभ की गयी स्कीमों के अधीन जुटायी गयीं निधियाँ अधिनियम और इन विनियमों के उपबंधों के अनुसार हैं।
9. न्यास संपत्ति के व्यौरे।
10. न्यासी विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता के प्रति समनुदेशित ऋण या प्राप्यों में विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के फायदाप्रद हित का साक्ष्य देते हुए प्रमाणपत्र या लिखत (चाहे किसी भी नाम से पुकारा जाए) जारी करेगा।
11. यह घोषणा कि न्यासी और विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता उधार नहीं देंगे या उधारों की गारंटी नहीं देंगे अथवा कोई क्रियाकलाप हाथ में नहीं लेंगे जो इन विनियमों के निबंधनों के अनुसार विनियमित क्रियाकलाप नहीं है।
12. भुगतानों के आबंटन संबंधी व्यापक नीतियाँ।
13. न्यासी पूल के कार्य-निष्पादन और विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को विनिधानकर्ता (निवेशक) सेवा के बारे में वार्षिक रिपोर्ट देगा।
14. न्यासीपद की फीस, यदि कोई हो, न्यासियों को देय।
15. न्यास विलेख में कोई भी संशोधन जो प्रतिकूल रूप से विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के हित पर प्रभाव डालता है कार्यान्वित नहीं किया जाएगा।
16. सभी मामलों में न्यासी को हटायें जाने के लिए बोर्ड का पूर्व अनुमोदन अपेक्षित होगा।
17. न्यास विलेख में ऐसी परिस्थितियों के अधीन विनिधानकर्ताओं का अनुमोदन मांगने के लिए प्रक्रिया अधिकथित होगी जो विनियमों में विनिर्दिष्ट हैं।

अनुसूची V

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूत ऋण लिखतों [सिक्योरिटाइज्ड डैट इन्स्ट्रुमेंट्स] का सार्वजनिक प्रस्ताव और इनकी सूचीबद्धता) विनियम, 2008

(विनियम 26 देखें)

प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किए जाने वाले तथ्य

प्रस्ताव पत्र में समस्त तात्विक जानकारी अंतर्विष्ट होगी जो सही और पर्याप्त होगी ताकि विनिधानकर्ता (निवेशक) निर्गम में विनिधान (निवेश) के संबंध में सोच-समझकर विनिश्चय करने में समर्थ हो सकें।

1.0 कवर-पृष्ठ अपेक्षा

- 1.1 प्रस्ताव दस्तावेज के आगे के और पीछे के अंदर के और बाहर के कवर-पृष्ठ सफेद होंगे और इन पृष्ठों पर कोई भी पैटर्न या चित्र मुद्रित नहीं होंगे।

- 1.2. प्रस्ताव दस्तावेज के आगे के बाहरी कवर-पृष्ठ में निम्नलिखित ब्यौरे अंतर्विष्ट होंगे :
- क) निर्गमकर्ता का नाम, निर्गमकर्ता का पता जिसमें इसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय यदि कोई हो सम्मिलित है
 - ख) न्यासी का नाम, रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का पता, इसकी दूरभाष संख्या, फैक्स संख्या, संपर्क व्यक्ति, वेबसाइट और ई-मेल के साथ ;
 - ग) प्रारंभकर्ता का नाम, इसके रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का पता, इसकी दूरभाष संख्या, फैक्स संख्या, संपर्क व्यक्ति, वेबसाइट और ई-मेल के साथ ;
 - घ) प्रतिभूत ऋण लिखतों का अभिनाम, प्रत्याशित परिपक्वता, कूपन, उनकी रेटिंगें ;
 - ङ) प्रस्ताव दस्तावेज के माध्यम से प्रस्तावित प्रतिभूत ऋण लिखतों की संख्या, स्वरूप, कीमत, रकम और निर्गम आकार ;
 - च) आस्ति प्रकार, प्रतिभूत किया जाने वाला, संव्यवहार के स्वरूप के साथ ;
 - छ) निर्गम अनुसूची :
 - (क) निर्गम के खुलने की तारीख
 - (ख) निर्गम के बंद होने की तारीख
 - ज) स्टॉक एक्सचेंजों के नाम जहाँ प्रतिभूत ऋण लिखतों की सूचीबद्धता प्रस्तावित है ;
 - झ) प्रस्ताव दस्तावेज के पहले पृष्ठ में निम्नलिखित दावात्याग प्रमुख रूप से दिया जाएगा :
 "बोर्ड को प्रारूप प्रस्ताव दस्तावेज प्रस्तुत करने को किसी भी प्रकार से यह नहीं समझा जाना चाहिए या इसका यह अर्थ नहीं लगाया जाना चाहिए कि इसे भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा अनुमोदित कर दिया गया है । भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड निर्गमकर्ता द्वारा आरंभ की गयी स्कीम वित्तीय सुदृढ़ता की जिम्मेदारी नहीं लेता है ।
 इस प्रस्ताव दस्तावेज में अंतर्विष्ट किन्हीं कथनों, राय या अन्य प्रकटीकरणों की शुद्धता के लिए न तो भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड और न ही स्टॉक एक्सचेंज जिम्मेदार हैं । भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा न्यासी को प्रदान किए गए रजिस्ट्रीकरण को निर्गमकर्ता, प्रारंभकर्ता या प्रतिभूत ऋण लिखतों के गुणागुणों के उपदर्शन के रूप में नहीं लिया जाना चाहिए ।"
- 2.0 विषय सूची, परिभाषाएँ और संक्षेपाक्षर
- 2.1 विषय सूची आगे के अंदर के कवर-पृष्ठ के ठीक पश्चात् प्रकट होगी ।
- 2.2 परिभाषाएँ और संक्षेपाक्षर, यदि कोई हों, विषय सूची के पश्चात् प्रकट होंगे ।
- 3.0 प्रस्ताव के उद्देश्य
- प्रस्ताव के उद्देश्यों और निधियों के प्रस्तावित अंतिम उपयोग के बारे में संक्षिप्त विवरण प्रस्ताव दस्तावेज में दिए जाएँगे ।
- 4.0 संक्षिप्त जानकारी
- 4.1 निम्नलिखित जानकारी संक्षिप्त रूप में उपलब्ध करायी जा सकेगी ताकि विनिधानकर्ता (निवेशक) संव्यवहार का शीघ्र विचार कर सके, जिसके बाद प्रस्ताव दस्तावेज में विस्तृत ब्यौरे :
- (क) प्रतिभूत ऋण लिखतों का विवरण ;
 - (ख) आस्ति पूल, जिसमें संव्यवहार का प्रकार - नकद, सिंथेटिक सम्मिलित है, तुलनपत्र / रीपैकेजिंग, आदि का संक्षिप्त विवरण ;

- (ग) संव्यवहार के मुख्य पक्षकारों - प्रारंभकर्ता, निर्गमकर्ता, न्यासी, क्रेडिट वृद्धि प्रदाता, अर्थसुलभता सुविधा प्रदाता, कोई स्वैप प्रति-पक्षकार, सर्विसर, निक्षेपगार, प्रधान हामीदार के नाम, संग्रहण और भुगतान खाता बैंक, आदि ;
- (घ) प्रत्येक वर्ग / शृंखला की प्रतिभूत ऋण लिखतों की अभिहित रकम और निर्गम तथा मोचन कीमतें और अभिहित ब्याज दर, ब्याज का प्रकार - स्थिर या अस्थिर ;
- (ङ) कोई वर्ग शृंखला जिसका प्रस्ताव जनता को प्रस्ताव दस्तावेज के माध्यम से न किया जा रहा हो ;
- (च) प्रत्येक वर्ग / शृंखला की रेटिंगें ;
- (छ) प्रत्येक वर्ग की प्रतिभूत ऋण लिखतों के लिए क्रेडिट वृद्धियाँ ;
- (ज) प्रत्याशित ब्याज और मूल की भुगतान तारीखें ;
- (झ) प्रत्येक वर्ग की प्रतिभूत ऋण लिखतों की प्रत्याशित परिपक्वता तारीख ;
- (ञ) स्कीम की वैध अंतिम परिपक्वता ;
- (ट) वैकल्पिक मोचन, यदि कोई हों ;
- (ठ) अंडरलाइंग आस्ति पूल का विवरण ;
- (ड) यदि ऐसी कालावधि को बढ़ाये जाने या कम किये जाने की संभावना हो, तो इसे प्रकट किया जाएगा ;
- (ढ) पूर्व-भुगतानों के मामले में स्कीम के समयपूर्व परिसमापन की संभावना के बारे में घोषणा ;
- (ण) अर्थसुलभता समर्थन, यदि कोई हो ;
- (त) भुगतान की शर्तें और नकदी प्रवाह, भेद करना, जहाँ समुचित हो, आमदनी मद्दे प्राप्तियों और मूल की प्राप्तियों का आबंटन ;

4.2 प्रस्ताव दस्तावेज में एक मानक वित्तीय यूनिट का प्रयोग किया जाएगा ।

5.0 अंतर्वलित जोखिम

- (क) आस्तियों और देनदारों का विवरण ।
- (ख) आस्तियों से संबंधित चूक जोखिम / ऋण (क्रेडिट) जोखिम ।
- (ग) अपचारिता जोखिम ।
- (घ) तनुकरण जोखिम अर्थात्, पूल की क्रेडिट क्वालिटी में कोई संभव परिवर्तन, अत्यधिक स्प्रेड या अन्य कारक, समय के साथ-साथ ।
- (ङ) सहसंबंध जोखिम ।
- (च) सर्विसिंग जोखिम, जिसमें सर्विसर के किसी संक्रमण में अंतर्वलित जोखिम और लागतें सम्मिलित हैं ।
- (छ) पूर्व-भुगतान जोखिम ।
- (ज) अर्थसुलभता जोखिम ।
- (झ) मुद्रा, ब्याज और अन्य जोखिम ।
- (ञ) विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता की सीमित आस्तियों के कारण प्रतिभूतियों पर संभाव्य हानि ।

- (ट) प्राप्यों के भौगोलिक संकेंद्रण से उद्भूत जोखिम, यदि कोई हों ।
- (ठ) संव्यवहार और आस्ति वर्ग से विनिर्दिष्ट कोई अन्य जोखिम ।

5.1 ऐसे जोखिम कारकों के बारे में निर्गमकर्ता के बोध को उपायों के विस्तृत विवरणों के साथ प्रकट किया जाएगा, यदि कोई हों जो ऐसे जोखिमों को कम करने के लिए निर्गमकर्ता द्वारा किए गए हों या जो किए जाने के लिए प्रस्तावित हैं ।

5.2 उपरोक्तानुसार प्रतिभूत ऋण लिखतों में विनिधान (निवेश) से विनिर्दिष्ट जोखिम कारकों के अलावा, प्रतिभूतियों में विनिधान करने से विनिर्दिष्ट सामान्य जोखिमों को भी प्रकट किया जाएगा जैसा पूँजी के निर्गमन से संबंधित बोर्ड के मार्गदर्शक सिद्धांतों या विनियमों में उल्लिखित है, जहाँ तक वे लागू हों ।

6.0 दावात्याग

प्रस्ताव दस्तावेज में निम्नलिखित दावात्याग भी गाढ़े अक्षरों में किए जाएँगे :

- (क) यह कि प्रतिभूत ऋण लिखतें प्रारंभकर्ता, सर्विसर या विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता की जमाओं, के दायित्वों को व्यपदिष्ट नहीं करती हैं और यह कि उनका बीमा किया हुआ नहीं है ;
- (ख) यह कि विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता, प्रारंभकर्ता या सर्विसर प्रतिभूत ऋण लिखतों के पूँजीगत मूल्य या आस्ति पूल की संग्रहणीयता की गारंटी नहीं देता है ।

7.0 सार्वजनिक प्रस्ताव के बारे में ब्यौरे

7.1 सार्वजनिक प्रस्ताव के बारे में निम्नलिखित ब्यौरे प्रस्ताव दस्तावेज में प्रकट किए जाएँगे -

- (क) न्यूनतम आवेदन ।
- (ख) न्यूनतम अभिदान - गणना पद्धति का प्रकटीकरण और निधियों के स्रोतों का प्रकटीकरण यदि विनियम 31 में उल्लिखित संपूर्ण व्यय या उसके किसी भाग को निर्गम आगमों से अन्यथा पूरा किया जाना है ।
- (ग) आवेदन धन पर ब्याज दर ।
- (घ) प्रस्ताव की कालावधि - खुलने और बंद होने की तारीखें ।
- (ङ) प्रमाणपत्रों और लिखतों के लिए आवेदन करने की रीति और उन स्थानों के पते जहाँ आवेदन स्वीकार किए जाएँगे ।

- (च) सार्वजनिक प्रस्ताव के परिणामों की घोषणा की रीति ।
- (छ) सफल आवेदकों को प्रतिभूत ऋण लिखतों की और असफल आवेदकों को आवेदन धन के प्रतिदाय की सुपुर्दगी (डिलीवरी) के लिए पद्धतियाँ और समय-सीमाएँ ;
- (ज) कागजी और गैर-कागजी रूप में आबंटन के बीच चुनने का आवेदकों का विकल्प ।
- (झ) आबंटन के आधार और प्रक्रिया का संक्षिप्त विवरण जिसका अनुसरण अधिक-अभिदान के मामले में किया जाएगा ।
- (ञ) न्यूनतम अभिदान की रकम और वे कदम जो तब उठाये जाएँगे यदि न्यूनतम अभिदान प्राप्त नहीं होता है ।
- (ट) सूचीबद्धता विवरण और अंतरणीयता ।

8.0 प्रतिभूत ऋण लिखतों के संबंध में प्रकटीकरण

8.1 प्रस्तावित प्रतिभूत ऋण लिखतों के संबंध में निम्नलिखित प्रकटीकरण किए जाएँगे :

- (क) जहाँ संभाव्य तात्त्विक अर्थसुलभता कमियाँ हो सकेंगी उनका, किसी अर्थसुलभता समर्थन की उपलब्धता तथा के ब्यौरे और संभाव्य कमियों को पूरा करने के लिए योजनाओं के विषय में उपदर्शन ।
- (ख) निर्गमकर्ता में अधिशेषों के संभव संचयन के संबंध में जानकारी और किन्हीं अर्थसुलभता अधिशेषों के विनिधान (निवेश) के लिए विनिधान मानदंड का उपदर्शन ।
- (ग) ऐसे किन्हीं अन्य इंतजामों के ब्यौरे जिन पर विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को ब्याज और मूलधन के भुगतान आश्रित हैं ।

8.2 विभिन्न संव्यवहारों के कर-उपाय, जो विनिधानकर्ता (निवेशक), विशेष प्रयोजन की सुभिव सत्ता और प्रारंभकर्ता के हाथों में हैं, को प्रकट किया जाएगा ।

9.0 निर्गमकर्ता के बारे में प्रकटीकरण

- (क) निर्गमकर्ता का संक्षिप्त विवरण, इसके इतिहास के साथ ;
- (ख) यह कथन कि क्या निर्गमकर्ता विशेष प्रयोजन वाहन या सत्ता के रूप में स्थापित किया गया है ;
- (ग) व्यवस्थापक, आरंभिक कॉर्पस, रजिस्ट्रीकरण के स्थान के विवरण, यदि कोई हो, किसी पहचान संख्या के साथ ;

- (घ) जहाँ तक निर्गमकर्ता को ज्ञात हो, उस व्यक्ति का (उन व्यक्तियों के) नाम का कथन करें और प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः निर्गमकर्ता का नियंत्रण करते हैं, ऐसे नियंत्रण के स्वरूप के साथ और यह सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित उपायों के साथ कि ऐसे नियंत्रण का दुरुपयोग नहीं होता है ;
- (ङ) न्यास में शेष फायदाप्रद हित धारण करने वाला (वाले) व्यक्ति ;
- (च) निर्गमकर्ता की आस्तियों और दायित्वों, वित्तीय स्थिति, तथा लाभों और हानियों से संबंधित वित्तीय जानकारी, यदि कोई हो ;
- (छ) न्यासियों के नाम, पते, राष्ट्रीयता, वृत्तिक अनुभव, अन्य निदेशक-पद और शैक्षणिक योग्यताएँ ;
- (ज) निर्गमकर्ता का प्रबंध ।

10.0 न्यासियों के बारे में प्रकटीकरण

1. न्यासी का नाम, संगठनात्मक रूप, प्रबंध ;
2. अनुभव ।
3. न्यास विलेख के अधीन न्यासी के कर्तव्य एवं जिम्मेदारियाँ ।
4. न्यासियों की मुख्य शक्तियाँ ।
5. न्यासियों की नियुक्ति, उन्हें हटाये जाने और उनके प्रतिस्थापन के लिए प्रक्रिया ।
6. न्यास विलेख के अन्य तात्त्विक निबंधन ।

11.0 प्रारंभकर्ता के बारे में प्रकटीकरण :

1. प्रारंभकर्ता का नाम, विवरण, मूल कारबार क्रियाकलाप और प्रचालन का संक्षिप्त इतिहास
2. मूल कारबार खंड (सेगमेंट) जिनमें प्रारंभकर्ता क्रियाशील रहता है ;
3. प्रारंभकर्ता के कारबार, बाजार की मौजूदगी, बाजार शेयर, यदि कोई हो, अनुभव आदि का विवरण, प्रतिभूत किये जाने के लिए प्रस्तावित आस्ति वर्ग के संबंध में;
4. प्रारंभकर्ता की आस्तियों और दायित्वों, वित्तीय स्थिति, तथा लाभों और हानियों से संबंधित वित्तीय जानकारी, जिसके प्रयोजन के लिए प्रारंभकर्ता पिछले 3 वर्षों के लिए संपूर्ण लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण और, यदि आवश्यक हो, अलेखापरीक्षित वित्तीय विवरण, उस तारीख से 120 दिनों के भीतर तैयार किए गए, जब आस्ति समर्थित प्रतिभूतियों के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन प्रभावी होता है, उपलब्ध करायेगा ।
5. प्रतिभूत होने वाली आस्ति के प्रारंभ की प्रक्रिया का सिंहावलोकन ।
6. प्रतिभूत होने वाली आस्ति से संबंधित प्रमुख हामीदारी पद्धतियाँ ।

12.0 सर्विसर के बारे में प्रकटीकरण

1. सर्विसर का नाम, संगठनात्मक रूप और इसके मुख्य क्रियाकलाप ;
2. अनुभव :
3. वित्तीय जानकारी : सर्विसर के पास सर्विसिंग करारनामे और / या न्यास करारनामे के अधीन कार्य करने के लिए आवश्यक वित्तीय साधन होने चाहिए ।
4. चूकों के बारे में प्रकटीकरण, यदि कोई हों ;
5. सर्विसिंग करारनामे और सर्विसर के कर्तव्यों की तात्त्विक शर्तें, प्रदर्श रूप में दाखिल सर्विसिंग करारनामे सहित ।
6. सर्विसिंग फीस ।
7. सर्विसर की चूक की घटनाएँ और उसके परिणाम ।
8. सर्विसर का प्रतिस्थापन, इस बारे में विशिष्टियाँ कि क्या कोई बैकअप सर्विसर विद्यमान है।

13.0 संव्यवहार संरचना एवं नकदी प्रवाह के बारे में प्रकटीकरण

1. संव्यवहार की संरचना का विवरण, जिसमें, यदि आवश्यक हो, संरचना आरेख सम्मिलित है ;
2. निर्गम में भाग लेने वाली सत्ताओं (एंटिटीज) का विवरण और उनके द्वारा किये जाने वाले कार्यों, सहयुक्त जोखिमों, का विवरण ;
3. अत्यधिक स्प्रेड और उसका उपचार ।
4. क्रेडिट वृद्धि और अर्थसुलभता समर्थन ।
5. क्रेडिट सांपाश्विक, अधिक-सांपाश्विकीकरण, गारंटियाँ अथवा प्रारंभकर्ता या तीसरे पक्षकार से कोई अन्य समर्थन, ऐसे क्रेडिट वृद्धिकर्ता, ऐसे वृद्धिकर्ता को देय फीस, यदि कोई हो, की विशिष्टियाँ और किसी आकस्मिकता में ऐसे वृद्धिकर्ता के प्रतिस्थापन की अपेक्षा करने वाले किसी उपबंध की विशिष्टियाँ ;
6. संव्यवहार में महत्वपूर्ण संरचनात्मक ट्रिगर, यथा शीघ्र परिशोधन, प्रतिभूतियों के विशिष्ट वर्ग (वर्गों) के प्रति नकदी प्रवाहों का पुनःनिर्देशन, अत्यधिक स्प्रेड का पोशन (ट्रैपिंग), आदि।
7. नकद आरक्षित, यदि कोई हो, जिसमें उसका पुनर्विनिधान (पुनर्निवेश) सम्मिलित है और पात्र प्रतिभूतियाँ / विनिधान की पद्धतियाँ जहाँ उनका विनिधान (निवेश) किया जा सकेगा ।
8. नकदी प्रवाहों का पुनर्विनिधान, यदि कोई हो, और रीतियाँ जहाँ उनका पुनर्विनिधान (पुनर्निवेश) किया जा सकेगा ।
9. प्रारंभकर्ता या तीसरे पक्षकारों के साथ कोई तात्त्विक संविदाएँ यथा स्वैप, पुट या कॉल विकल्प (ऑप्शन) जिनमें प्रतिभूत ऋण लिखतों की बाबत कोई ऐसे विकल्प सम्मिलित हैं।
10. क्लीन अप कॉल ऑप्शन, यदि कोई हो ।

11. निधियों के वितरणों और आबंटन की प्राथमिकता । प्राथमिकता की दृष्टांत स्वरूप अनुसूची नीचे दी गयी है :
 - सर्विसिंग फीस, न्यासी फीस, आदि
 - वर्ग क प्रतिभूति हित
 - मूलधन का पहला आबंटन
 - वर्ग ख हित
 - मूलधन का दूसरा आबंटन
 - आरक्षित खाते का पुनः स्थापन, यदि कोई हो
 - शीघ्र परिशोधन घटनाएँ, ट्रिगर खण्ड आदि ।
 - चूक की घटनाएँ और वितरणों की प्राथमिकता में परिवर्तन करने वाली घटनाएँ ।
12. निर्गमकर्ता को आस्तियों के विक्रय, अंतरण या समनुदेशन की पद्धति तथा तारीख अथवा आस्तियों में किन्हीं अधिकारों और / या बाध्यताओं का विवरण अथवा, जहाँ लागू हो, वह रीति और समय कालावधि जिसमें निर्गम के आगमों का पूरा विनिधान (निवेश) निर्गमकर्ता द्वारा किया जाएगा ;
13. आस्ति पूल की तात्त्विक बातें, यथा चूक दर, हानि दर, वसूली दर, अपचारिता दर (बकेटों द्वारा यथा 30 डीपीडी; 60 डीपीडी; 90 डीपीडी, आदि), पूर्व-भुगतान दर, आदि ।
14. उपरोक्त धारणाओं में परिवर्तनों के प्रति विभिन्न वर्गों पर नकदी प्रवाहों और प्राप्तियों की संवेदनशीलता, जिसमें प्रत्याशित परिपक्वता सम्मिलित है ;
15. दस्तावेज में अंतर्विष्ट प्रमुख अभ्यावेदन और वारंटियाँ, जिसके द्वारा ऋण या प्राप्यों को समनुदेशित किया गया है ;
16. कोई अन्य विशिष्टियाँ जो संव्यवहार संरचना को समझने के लिए आवश्यक हैं ।

14.0 अंडरलाइंग आस्तियाँ

निम्नानुसार किसी ऐसी जानकारी में, जहाँ औसतन जानकारी दी जा रही है, न्यूनतम, अधिकतम और मानक विचलन को भी अनिवार्यतः प्रकट किया जाना चाहिए :

- (क) वैध अधिकारिता (अधिकारिताएँ) जहाँ आस्तियाँ अवस्थित हैं ;
- (ख) आस्तियों का स्वरूप और हक ;
- (ग) आस्तियों की समाप्ति या परिपक्वता तारीख (तारीखें) ;
- (घ) आस्तियों से प्रतिफल की दर
- (ङ) आस्तियों के चयन के लिए मानदंड ;
- (च) पूल में आस्तियों की संख्या और मूल्य ;
- (छ) आस्तियों के प्रारंभ या सृजन की पद्धति ;

- (ज) प्रारंभकर्ता के खिलाफ आश्रय लेने के अधिकार, जहाँ तक विधि में अनुज्ञात हो, जिसमें आस्तियों के संबंध में निर्गकर्ता को दिए गए तात्विक अभ्यावेदनों और वारंटियों की सूची सम्मिलित है ;
- (झ) आस्तियों को प्रतिस्थापित करने के अधिकार और अर्हक मानदंड ;
- (ञ) कोई पूर्व-भुगतान अधिकार जिसमें पूर्व-भुगतान शास्तियाँ सम्मिलित हैं, बाध्यताधारियों को उपलब्ध ;
- (ट) आस्ति पूल में बाध्यताधारियों के संकेंद्रण का स्तर, उन बाध्यताधारियों की पहचान करना जिनका लेखा-जोखा आस्ति मूल्य के दस प्रतिशत या के अधिक का है ;
- (ठ) जहाँ दस प्रतिशत से अधिक बाध्यताधारियों का कोई संकेंद्रण नहीं है, बाध्यताधारियों के साधारण लक्षण और विवरण ;
- (ड) बकाया मूलधन अतिशेष / प्रत्याशित वसूलियाँ, पात्र आस्तियों से निश्चित कालावधि में ;
- (ढ) बकाया मूलधन अतिशेष / प्रत्याशित वसूलियाँ, पात्र आस्तियों से निश्चित कालावधि में, प्रस्तावित की जा रही आस्ति-समर्थित प्रतिभूतियों की कुल रकम के प्रतिशत के रूप में ;
- (ण) अंतिम वित्तीय वर्ष में पात्र आस्तियों द्वारा जनित नकदी, प्रस्तावित की जा रही प्रतिभूत ऋण लिखतों की कुल रकम के प्रतिशत के रूप में ;
- (त) चूक में, पात्र आस्तियों की रकम ;
- (थ) चूक में, पात्र आस्तियों की रकम, प्रस्तावित की जा रही प्रतिभूत ऋण लिखतों की कुल रकम के प्रतिशत के रूप में, और चूक में पात्र आस्तियों की रकम, क्रेडिट वृद्धि के प्रतिशत के रूप में ;
- (द) स्पष्टीकारक टिप्पण जहाँ वास्तविक तथा प्रक्षेपित नकदी प्रवाहों के बीच प्रत्याशित तात्विक अंतर है और स्थिति को सुधारने के लिए की जा रही कोई कार्रवाईयों ;
- (ध) उसका विवरण जो चूक को नियत करता है ;
- (न) पात्र आस्तियों से उद्भूत नकदी प्रवाह प्रक्षेपणों पर चार्टर्ड अकाउंटेंट की रिपोर्ट जो प्रक्षेपण के आधार के साथ-साथ प्रतिभूतिकरण का आधार हैं ।

15.0 स्थिर (स्टेटिक) पूल जानकारी

एक ही प्रारंभकर्ता के संदर्भ में किए गए समस्त पिछले प्रतिभूतिकरण संव्यवहारों की समरूप आस्तियों के स्थिर (स्टेटिक) पूलों के लिए निम्नलिखित जानकारी उपलब्ध करायी जाएगी :

1. प्रारंभकर्ता के पोर्टफोलियो के पिछले 5 वर्षों हेतु अपचारिताओं, संचयी हानियों संबंधी जानकारी और पूर्व-भुगतान संबंधी जानकारी, जिसमें समय के साथ-साथ ऐसी अपचारिताओं, हानियों और पूर्व-भुगतानों का निर्मित होना सम्मिलित है ।

2. इसमें संव्यवहार से सुसंगत कारक सम्मिलित होने चाहिए, यथा आस्ति अवधि, आस्ति का प्रकार, प्राप्ति, भुगतान दरें, क्रेडिट वृद्धियों की गिरावट, किसी वर्ग के विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को हानियों का कोई आबंटन, आदि ।

16.0 बकाया मुकदमे और तात्त्विक गतिविधियाँ

17.0 अन्य विनियामक और कानूनी प्रकटीकरण

18.0 फीस एवं व्यय

न्यासी, सर्विसर आदि को अदा की गयी कोई फीस और अदा किए गए कर को प्रकट किया जाना चाहिए ।

19.0 घोषणाएँ

- (1) प्रस्ताव दस्तावेज के अंत में विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता के न्यासियों द्वारा निम्नलिखित घोषणा अंतर्विष्ट होगी :-

"हम निर्गमकर्ता के न्यासी होते हुए अर्थात् : इस प्रस्ताव दस्तावेज में अंतर्विष्ट जानकारी के लिए जिम्मेदारी को स्वीकार करते हैं । हमने अपने सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार यह सुनिश्चित करने के लिए समस्त समुचित सावधानी बरती है कि इस दस्तावेज में अंतर्विष्ट जानकारी तथ्यों जो सही, ऋजु और पर्याप्त हैं के अनुसार है और जिसमें ऐसी किसी बात का लोप नहीं है जिससे ऐसी जानकारी के महत्त्व के प्रभावित होने की संभावना हो ।

हमारी राय में, निर्गमकर्ता के कोई ऋण, दायित्व या अन्य दावे नहीं हैं जिनसे निर्गमकर्ता के विघटन, स्वैच्छिक या अनिवार्य परिसमापन अथवा दिवाले की कार्यवाहियों के अध्यधीन आ जाने की संभावना बढ़ सके ।

हमारी राय में, आस्ति पूल से प्रत्याशित नकदी प्रवाह प्रतिभूत ऋण लिखतों पर बाध्यताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त है । "

(2) प्रस्ताव दस्तावेज में निम्नानुसार प्रारंभकर्ता के निदेशकों द्वारा एक घोषणा भी अंतर्विष्ट होगी:-

" हम प्रारंभकर्ता के निदेशक होते हुए अर्थात् : इस प्रस्ताव दस्तावेज में अंतर्विष्ट जानकारी के लिए जिम्मेदारी को स्वीकार करते हैं । हमने अपने सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार यह सुनिश्चित करने के लिए समस्त समुचित सावधानी बरती है कि इस दस्तावेज में अंतर्विष्ट जानकारी तथ्यों जो सही, ऋजु और पर्याप्त हैं के अनुसार है और जिसमें ऐसी किसी बात का लोप नहीं है जिससे ऐसी जानकारी के महत्त्व के प्रभावित होने की संभावना हो ।

हमारी राय में, प्रारंभकर्ता चालू समुत्थान है ।

हमारी राय में, आस्ति पूल से प्रत्याशित नकदी प्रवाह प्रतिभूत ऋण लिखतों पर बाध्यताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त है । "

20.0 वचन

(1) विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता के सभी न्यासियों द्वारा निम्नलिखित वचन दिए जाएँगे, -

- (क) कि उस दशा में जब न्यूनतम अभिदान प्राप्त नहीं होता है, विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता प्रस्ताव के अधीन एकत्रित आवेदन धन तुरंत लौटायेगी और इस प्रकार लौटाये जाने में प्रस्ताव के बंद होने से आठ दिनों से अधिक विलंब की दशा में, विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता और इसके निदेशक या न्यासी आवेदन धन को पंद्रह प्रतिशत प्रति वर्ष पर ब्याज के साथ प्रतिसंदत्त करने के लिए संयुक्ततः और पृथक्तः दायी होंगे ;
- (ख) कि अधिक-अभिदान की दशा में, अधिक आवेदन धन तुरंत असफल और आंशिक रूप से सफल आवेदकों को लौटाया जाएगा और इस प्रकार लौटाये जाने में आबंटन के आधार को अंतिम रूप दिये जाने से आठ दिनों से अधिक विलंब की दशा में, विशेष प्रयोजन की सुभिन्न सत्ता और इसके निदेशक या न्यासी आवेदन धन को पंद्रह प्रतिशत प्रति वर्ष पर ब्याज के साथ प्रतिसंदत्त करने के लिए संयुक्ततः और पृथक्तः दायी होंगे ;
- (ग) कि उस दशा में जब कोई स्टॉक एक्सचेंज जिसको सूचीबद्धता के लिए आवेदन अधिनियम की धारा 17क की उप-धारा (2) के अधीन किया जाता है सूचीबद्धता की अनुज्ञा को नामंजूर करता है, निर्गमकर्ता और, यदि आवश्यक हो, तो इसके निदेशक या न्यासी, उसकी उप-धारा (3) के निबंधनों के अनुसार तुरंत आवेदन धन लौटायेंगे ।

21.0 तात्त्विक दस्तावेज

(1) निम्नलिखित दस्तावेज और "तात्त्विक दस्तावेज" के रूप में प्रस्ताव दस्तावेज में निर्दिष्ट कोई अन्य दस्तावेज निर्गमकर्ता के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय में या मर्चेन्ट बैंककार के कार्यालय में प्रस्ताव कालावधि के दौरान भावी विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को निरीक्षण के लिए उपलब्ध कराया जाएगा:-

- (क) निर्गमकर्ता के गठन संबंधी दस्तावेज ;
- (ख) निर्गमकर्ता और सर्विसर, क्रेडिट वृद्धिकर्ता, और अर्थसुलभता प्रदाता जहाँ सुसंगत हो के बीच करारनामे की प्रतियाँ ;
- (ग) क्रेडिट वृद्धिकर्ता के साथ करारनामे की प्रतियाँ ;
- (घ) प्रतिभूतिकरण संव्यवहार के अधीन आस्तियों के समनुदेशन के दस्तावेज ;
- (ङ) हामीदारों के साथ करारनामों की प्रतियाँ,
- (च) प्रारंभकर्ता के बोर्ड संकल्प, शेयरधारक संकल्प, यदि लागू हो, और विद्यमान ऋण-धारकों द्वारा अनुमोदन, जहाँ लागू हो ;
- (छ) सभी रिपोर्टें, पत्र और अन्य दस्तावेज, किसी विशेषज्ञ द्वारा मूल्यांकन और कथन जिसका कोई भाग प्रस्ताव दस्तावेज में सम्मिलित या निर्दिष्ट है ;
- (ज) प्रारंभकर्ता के लेखापरीक्षित लेखे या, जहाँ इसके समनुषंगी हैं, प्रारंभकर्ता और इसके समनुषंगियों के समेकित लेखापरीक्षित लेखे, प्रस्ताव दस्तावेज के प्रकाशन से पूर्ववर्ती पाँच वित्तीय वर्षों में से प्रत्येक के लिए, जिसमें, उससे संलग्न किए जाने या उसके साथ लगाये जाने के लिए, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) द्वारा, अपेक्षित सभी टिप्पण, रिपोर्टें या जानकारी सम्मिलित है ।

(2) विस्तृत प्रकटीकरण उस रीति के विषय में दिए जाएँगे जिसमें उपरोक्त दस्तावेजों का निरीक्षण किया जा सकेगा ।

(3) जहाँ उपरोक्त दस्तावेजों में से कोई अंग्रेजी में नहीं है, तो अंग्रेजी में अनुवाद भी अनिवार्यतः निरीक्षण के लिए उपलब्ध होने चाहिए ।

सी. बी. भावे, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/4/69-जैडबी/2008/असा.]

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA**NOTIFICATION**

Mumbai, the 26th May, 2008

Securities and Exchange Board of India (Public Offer and Listing of Securitised Debt Instruments) Regulations, 2008

F. No. LAD-NRO/GN/2008/12/126567.—In exercise of the powers conferred by Section 31 read with section 17A of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956) and Section 30 read with Sections 11 and 12 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Securities and Exchange Board of India hereby makes the following Regulations, namely :—

**CHAPTER I
PRELIMINARY**

- | | |
|--------------------------------------|--|
| Short title and commencement. | 1. (1) These Regulations shall be called the Securities and Exchange Board of India (Public Offer and Listing of Securitised Debt Instruments) Regulations, 2008.
(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette. |
| Definitions. | 2. (1) In these Regulations, unless the context otherwise requires:-
(a) “Act” means the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956);
(b) “asset pool”, in relation to a scheme of a special purpose distinct entity, means the total debt or receivables, assigned to such entity and in which investors of such scheme have beneficial interest;
(c) “Board” means the Securities and Exchange Board of India established under section 3 of the Securities and Exchange Board of India Act (15 of 1992);
(d) “certificate” means a certificate of registration granted to a trustee under these regulations;
(e) “clean-up call option” means an option retained and exercisable by the originator to purchase the debt or receivables assigned to a special purpose distinct entity, if the residual value of such debt or receivables falls below a specified percentage of the price at which it was assigned;
(f) “credit enhancement” means any arrangement intended to decrease the likelihood of default on the securitised debt instruments, including subordination, insurance, letter of credit, over-collateralisation, undertakings and guarantees;
(g) “debt” or “receivables” means any right that generates or results into a cash flow and includes-
(i) mortgage debt ; |

- (ii) such receivables arising out of securities as may be specified by the Board;
- (iii) any financial asset within the meaning of clause (l) of sub-section (1) of section 2 of the Securitisation and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002 (54 of 2002);
- (h) "investor" means a person holding any securitised debt instrument which acknowledges the interest of such person in the debt or receivables assigned to the special purpose distinct entity;
- (i) "issue" means an offer of securitised debt instruments by a special purpose distinct entity or under any scheme of such entity to the public or to any person(s), which is proposed to be listed on a recognised stock exchange;
- (j) "liquidity provider" means a person who agrees to provide funds to the special purpose distinct entity for settlement of payments due to investors in accordance with the schedule of payments contained in the terms of issue of the securitised debt instruments issued to them, in the event of any short term cash flow shortfalls of the special purpose distinct entity;
- (k) "obligor" means a person who is liable, whether under a contract or otherwise, to pay a debt or receivables or to discharge any obligation in respect of a debt or receivables;
- (l) "offer document" means any document including an electronic document described or issued as an offer document or prospectus and includes any notice, circular, advertisement or other document inviting subscription from the public or purchase of any securitised debt instruments of a scheme formulated under these regulations;
- (m) "originator" means the assignor of debt or receivables to a special purpose distinct entity for the purpose of securitisation;
- (n) "recognised stock exchange" means any stock exchange which is recognised under section 4 of the Act;
- (o) "regulated activity", in relation to a special purpose distinct entity, means any of its activities which are regulated by the Board under the Act and these regulations and includes making a public offer of securitised debt instruments, making disclosures in connection with such issue, the performance of obligations relating to public offer or listing and redemption of such instruments, management and administration of the schemes under which such instruments are issued, valuation and maintenance of accounts which have a bearing on value of such instruments, and any other related activity as may be specified by the Board;
- (p) "scheme" means a scheme for issue of securitised debt instruments in accordance with these regulations;
- (q) "Schedule" means a Schedule appended to these regulations;
- (r) "securitisation" means acquisition of debt or receivables by any special purpose distinct entity from any originator or originators for the purpose of issuance of securitised debt instruments to investors based on such debt or receivables and such issuance;

- (s) "securitised debt instrument" means any certificate or instrument, by whatever name called, of the nature referred to in sub-clause (ie) of clause (h) of section 2 of the Act issued by a special purpose distinct entity;
- (t) "servicer" means any person appointed by the special purpose distinct entity and who is responsible for the management or collection of the asset pool or making allocations or distributions to holders of the securitised debt instrument in accordance with these regulations but does not include a trustee for the issuer if the trustee receives such allocations or distributions;
- (u) "special purpose distinct entity" means a trust which acquires debt or receivables out of funds mobilized by it by issuance of securitised debt instruments through one or more schemes, and includes any trust set up by the National Housing Bank under the National Housing Bank Act, 1987 (53 of 1987) or by the National Bank for Agriculture and Rural Development under the National Bank for Agriculture and Rural Development Act, 1981 (61 of 1981);
- (v) "sponsor" means any person who establishes or promotes a special purpose distinct entity;
- (w) "trustee" means a trustee of a special purpose distinct entity;
- (x) "working days" means working days of the Board.

(2) Words and expressions not defined in these Regulations, but defined in or under the Act or the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992) or the regulations made thereunder or the Companies Act, 1956 (1 of 1956) or the Securitisation and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002 (54 of 2002) or any statutory modification or re-enactment thereof, shall have the same meaning as have been assigned to them by or under those enactments, unless the context requires otherwise.

Applicability.

3. These regulations shall apply to-
 - (a) public offers of securitised debt instruments; or
 - (b) to listing of securitised debt instruments issued to public or any person(s), on a recognised stock exchange.

CHAPTER II

REGISTRATION OF TRUSTEES

Eligibility criteria for trustees.

4. (1) On and from the commencement of these regulations, no person shall make a public offer of securitised debt instruments or seek listing for such securitised debt instruments unless –
 - (a) it is constituted as a special purpose distinct entity;
 - (b) all its trustees are registered with the Board under these regulations; and
 - (c) it complies with all applicable provisions of these regulations and the Act.
- (2) The requirement of obtaining registration shall not apply to the following persons, who may act as trustees of special purpose distinct entities, namely:-
 - (a) any person registered as a debenture trustee with the Board;
 - (b) any person registered as a securitisation company or a reconstruction company with the Reserve Bank of India under the Securitisation and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security

Interest Act, 2002 (54 of 2002);

- (c) the National Housing Bank established by the National Housing Bank Act, 1987 (53 of 1987);
- (d) the National Bank for Agriculture and Rural Development established by the National Bank for Agriculture and Rural Development Act, 1981 (61 of 1981):

Provided that the aforesaid persons and special purpose distinct entities in respect of which they are trustees shall comply with all other provisions of these regulations:

Provided further that the provisions of these regulations shall not apply to the National Housing Bank and the National Bank for Agriculture and Rural Development to the extent of inconsistency with the provisions of their respective Acts.

- (3) An application for registration shall be made by the trustee to the Board in Form A of Schedule I along with non-refundable application fees as specified in Schedule II.
- (4) Any application which is not complete in all respects and does not conform to the instructions specified in Form A of Schedule I or which is incorrect, false or misleading in nature shall be liable to be rejected:

Provided that before rejecting any such application, the Board shall give an opportunity to the applicant to remove the objections pointed out by the Board within the time specified by the Board.

- (5) The Board may require the applicant to furnish such further information or explanation as is necessary in the opinion of the Board to take a decision on the application.

**Factors
consideration**

for 5. While considering an application made under regulation 4, the Board may have regard to all relevant factors, including the following, namely:-

- (a) the applicant's track record, professional competence and general reputation and, where applicable those of its promoters and directors;
- (b) where the applicant is a body corporate, its objects as per the memorandum of association or other constitutional document, composition of its board of directors and other relevant matters;
- (c) whether the applicant has adequate infrastructure to ensure proper servicing of the securitisation transaction; adherence to the terms of the transaction documents by the originator, underwriter, credit enhancement provider, liquidity provider, and other parties to the securitisation transaction, and ensure compliance with the provisions of the Act and these regulations;
- (d) whether the applicant and the special purpose distinct entity have complied with or in a position to comply with the requirements of these regulations;
- (e) whether any previous application for grant of certificate made by any person directly or indirectly connected with the applicant was rejected by the Board;
- (f) whether the applicant, its promoters and directors are fit and proper persons in terms of the criteria

specified in respect of the intermediaries registered under the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992).

**Procedure
granting
registration, etc.**

- for 6.** (1) Except as otherwise provided in these regulations, the provisions relating to procedure of consideration of application, grant of registration, powers of the Board including the power to seek further information, verify the information furnished by the applicant, conditions of registration, effect of refusal of grant of certificate, etc.; as applicable to any intermediary shall apply to an applicant under these regulations.
- (2) The Board shall, if it decides to grant registration to the applicant, send intimation to the applicant for payment of the registration fees specified in Schedule II.
- (3) Upon payment of registration fees, the Board shall grant a certificate to the applicant in Form B of Schedule I.
- (4) Subject to the provisions of the Act, these regulations, conditions of certificate and the obligations of payments of fees the registration granted by the Board to a trustee shall be permanent unless suspended or cancelled by the Board.

**Conditions
registration.**

- of 7.** Any certificate granted under regulation 6 shall be subject to the following conditions being complied with by the trustee, namely:-
- (a) where it proposes to change its management or, control, it shall obtain prior approval of the Board for continuing to act as such after the change;
 - (b) it shall pay the registration fees and annual fees in the manner provided in Schedule II;
 - (c) it shall take adequate steps for redressal of grievances of the investors within one month of the date of the receipt of the complaint and keep the Board informed about the number, nature and other particulars of the complaints received;
 - (d) it shall abide by the provisions of the Act and these regulations in respect of the regulated activities carried on by the special purpose distinct entity;
 - (e) it shall forthwith inform the Board, if any information or particulars previously submitted to the Board is found to be misleading in any material respect or false;
 - (f) it shall forthwith inform the Board, of any material change in the information or particulars furnished, which may have a bearing on the certificate granted to it;
 - (g) it shall abide by the Code of Conduct specified in Schedule III.

**Procedure
application
rejected.**

- where 8.** (1) Where an application for grant of a certificate does not conform to the eligibility criteria and other requirements as set out in these regulations, the Board may reject the application and communicate the decision with reasons in writing:

Provided that before rejecting the application, the applicant shall be given an opportunity to remove within a reasonable time specified by the Board, such objections as may be

indicated by the Board to the applicant in writing.

(2) Where an application is rejected for the reason that it contains false or misleading information, no such opportunity shall be given and the applicant shall not make any application for grant of certificate of registration under these regulations or any other regulations for a period of one year from the date of such rejection.

CHAPTER III CONSTITUTION AND MANAGEMENT OF SPECIAL PURPOSE DISTINCT ENTITIES AND INCIDENTAL MATTERS

**Permissible
structures for
special purpose
distinct entity.**

9. (1) The special purpose distinct entity shall be constituted in the form of a trust the constitutional document whereof entitles the trustees to issue securitised debt instruments:
Provided that originator or any of its associates shall not exercise control over the special purpose distinct entity and its trustees.
- (2) The instrument of trust, whether trust deed or any other constitutional document, shall be executed by the sponsor in favour of the trustees named in such instrument.
- (3) The instrument of trust shall contain such clauses as are mentioned in Schedule IV and such other clauses which are necessary to protect the interests of investors in the securitised debt instruments.
- (4) No instrument of trust shall contain a clause which has the effect of—
 - (i) limiting or extinguishing the obligations and liabilities of the trustees or the special purpose distinct entity in relation to any scheme or the rights or interests of investors;
 - (ii) limiting or restricting or waiving the provisions of the Act, these regulations and circulars or guidelines issued by the Board;
 - (iii) indemnifying the trustees or the special purpose distinct entity for loss or damage caused to the investors by their act of negligence or commission or omission.
- (5) The special purpose distinct entity and the trustee shall adopt internal procedures designed to avoid conflict of interest.
- (6) A special purpose distinct entity shall not raise any moneys in the form of debt or issue any debt securities other than through issue of securitised debt instruments: Provided that the restriction contained in this sub-regulation shall not apply to issue of security receipts.
- (7) A special purpose distinct entity shall be entitled, in terms of the trust deed or other constitutional document, to segregate the debt or receivables out of the asset pool for the purpose of servicing of any securitised debt instrument in accordance with the scheme.
- (8) The special purpose distinct entity shall not be dissolved until the securitised debt instruments issued under all its schemes are fully redeemed or written off in accordance with their terms of issue.
- (9) Trustees who are nominees of the sponsor or the

originator or who are associated in any manner with the sponsor or the originator or with a company in the same management as the sponsor or originator shall not constitute more than one half of the Board of Trustees of the special purpose distinct entity, as the case may be.

(10) Where the special purpose distinct entity proposes to launch multiple schemes, -

- (a) it shall be capable in terms of the trust deed or other constitutional document, of segregating multiple securitisation schemes; and
- (b) the terms of issue of securitised debt instruments proposed to be issued under each scheme or each series of such instruments shall restrict the rights of investors therein to the relevant asset pool alone.

(11) The special purpose distinct entity shall not carry on any activity other than regulated activities and those incidental thereto and it shall not engage in:

- (a) business of lending or investment except making passive financial investments required in accordance with the scheme;
- (b) activities of an asset management company or portfolio manager or a mutual fund:

Provided that the restriction provided in clause(a) shall not apply to -

- (i) any trust or other body promoted by the National Housing Bank, in respect of activities undertaken by it in terms of the National Housing Bank Act, 1987 (53 of 1987);
- (ii) any trust or other body promoted by the National Bank for Agriculture and Rural Development, in respect of activities undertaken by it in terms of the National Bank for Agriculture and Rural Development Act, 1981 (61 of 1981);
- (iii) any trust set up by a securitisation company or reconstruction company in respect of activities undertaken by it in terms of the Securitisation and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002 (54 of 2002);
- (iv) any securitisation undertaken by a special purpose distinct entity, which involves private placement of any instruments representing securitised debt which are not proposed to be listed on any recognised stock exchange.

Assignment of debt or receivables.

- (1) The originator and the trustee shall ensure in respect of the debt or receivables assigned to the special purpose distinct entity that the following conditions are fulfilled:
 - (a) the debt or receivables generates or is reasonably expected to generate identifiable cash flows for the purpose of servicing the securitised debt instruments in accordance with the scheme;
 - (b) the originator has a valid enforceable interest in the assets and in the cash flow of the assets prior to the securitisation;
 - (c) the debt or receivables is free from any encumbrances or impediments to their free transfer

- or the transfer of the rights attaching thereto and their transfer does not constitute an event of default or acceleration trigger under any agreement;
- (d) the necessary regulatory or contractual permissions or consents have been obtained in order to effect the transfer of such debt or receivables from the originator to the special purpose distinct entity;
 - (e) the originator has not done or omitted to do anything which enables any of his debtors to exercise the right of set-off in relation to such assets;
 - (f) the debt or receivables is transferred at a price arrived at through an arms' length transaction and solely on commercial considerations; and
 - (g) any representations and warranties made by the originator regarding the debt or receivables are duly adhered to.
- (2) The special purpose distinct entity and the originator shall take all necessary steps to ensure that the debt or receivables acquired by the special purpose distinct entity are duly assigned in its name and are legally realizable by it.
- (3) No special purpose distinct entity shall acquire any debt or receivables from any originator which is part of the same group or which is under the same management as the trustee.
- Explanation: For the purposes of sub-regulation (3), -
- (a) two persons shall be deemed to be "part of the same group" if they belong to the same group within the meaning of clause (ef) of section 2 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969) or if they own "inter-connected undertakings" within the meaning of clause (g) of section 2 of that Act;
 - (b) the expression "under the same management" shall have the meaning derived from sub-section (1B) of section 370 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956).
- (4) The securitisation transaction shall be structured in such a manner so as to minimise the risk of the asset pool being consolidated with the assets of the originator or the sponsor, in the event of insolvency or winding up of either of them.
- (5) The special purpose distinct entity and its trustees shall ensure that the debt and receivables assigned to it are through a genuine transaction amounting to a true sale and are legally realizable by it and the special purpose distinct entity shall be remote from the risk of bankruptcy, insolvency and winding up of the originator, sponsor and any other entity.

**Obligations
trustees**

- of 11. (1) A trustee shall carry out his duties and perform his functions under these regulations, the trust deed or other document, with due care and diligence.
- (2) The trustees shall ensure that the covenants in the trust deed and any other transaction document are complied with by the concerned parties.

CHAPTER IV

SCHEMES OF SPECIAL PURPOSE DISTINCT ENTITIES

- | | | |
|--|----------------------|--|
| <p>Launching schemes.</p> | <p>of 12.</p> | <p>(1) A special purpose distinct entity may raise funds by making an offer of securitised debt instruments through formulating schemes in accordance with these regulations.</p> <p>(2) Where there are multiple schemes, the special purpose distinct entity shall maintain separate and distinct accounts in respect of each such scheme and shall not commingle asset pools or realisations of a scheme with those of other schemes.</p> <p>(3) A special purpose distinct entity and trustees thereof shall ensure that realisations of debts and receivables are held and correctly applied towards redemption of securitised debt instruments issued under the respective schemes or towards payment of returns on such instruments or towards other permissible expenditure of the scheme.</p> <p>(4) The terms of issue of the securitised debt instruments may provide for exercise of a clean -up call option by the special purpose distinct entity, subject to adequate disclosures.</p> <p>(5) No expenses shall be charged to the scheme in excess of the allowable expenses as may be specified in the scheme and any such expenditure, if incurred, shall be borne by the trustees.</p> |
| <p>Obligation to redeem securitised debt instruments.</p> | <p>to 13.</p> | <p>(1) The trustee and the special purpose distinct entity shall ensure timely payment of interest and redemption amounts to the investors in terms of the offer document or other terms of issue of the securitised debt instruments out of the realisations from the asset pool, credit enhancer or liquidity provider.</p> <p>(2) The trustee shall ensure that the servicer adopts such prudent measures as may be expected under the origination documents to recover the dues from the obligors in the event of any default in any portion thereof.</p> <p>(3) The expected period of maturity of each scheme and the possibility of extension or shortening of such period shall be disclosed in the offer document together with the likely circumstances in which such extension or shortening may take place.</p> |
| <p>Credit enhancement and liquidity facilities.</p> | <p>14.</p> | <p>(1) A special purpose distinct entity may opt for credit enhancement of the asset pool, subject to making full disclosures of the arrangements in the offer document or the particulars submitted to the recognised stock exchange.</p> <p>(2) A special purpose distinct entity may avail the services of a liquidity provider, subject to making full disclosures of the arrangements in the offer document or the particulars submitted to the recognised stock exchange.</p> |
| <p>Servicers.</p> | <p>15.</p> | <p>(1) A special purpose distinct entity may appoint either the originator or any other person as servicer in respect of any of its schemes, subject to the following, namely:-</p> <p>(a) the trustees shall ensure that the servicer keeps</p> |

proper accounts in respect of the activities delegated to him;

- (b) the trustees shall ensure that the servicer has adequate operational systems and resources to administer the asset pool in relation to a securitisation transaction.

(2) Servicer may be appointed by the special purpose distinct entity to do all or any of the following, namely:-

- (i) to coordinate with the obligors, manage the asset pool and collections therefrom;
- (ii) administer the cash flows of such asset pool, distributions to investors; and reinvestment, if any, in accordance with the scheme; and
- (iii) manage incidental matters.

(3) Where a special purpose distinct entity appoints the originator as servicer, it shall adopt internal procedures designed to avoid conflict of interest.

Accounts.

16. (1) Without prejudice to provisions of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), or any other applicable law, a special purpose distinct entity shall maintain or cause to be maintained proper accounts and records to enable a true and fair view to be formed of its assets, liabilities, income and expenditure and those of all its schemes and to comply with the disclosure requirements of these regulations and other applicable laws.

(2) The accounts of a scheme shall be maintained in such a manner so as to disclose as on the most recent pay out date, the financial position of the scheme and shall in particular give a true and fair view of the state of affairs of the scheme.

(3) The accounts of the special purpose distinct entity and all its schemes shall be maintained in accordance with generally accepted accounting principles and having regard to the guidance issued by the Institute of Chartered Accountants of India or as may be specified by the Board in respect of accounting for schemes.

Audit.

17. (1) The accounts of the schemes formulated by a special purpose distinct entity shall be audited by a chartered accountant in practice within the meaning of the Chartered Accountants Act, 1949 (38 of 1949) at such frequency as may be specified in the listing agreement or conditions.

(2) Such audit shall be conducted in accordance with generally accepted auditing standards.

(3) The scope of such audit may be specified by the Board.

Maintenance of records.

18. (1) A special purpose distinct entity shall maintain or cause to be maintained other records and documents, including a register of holders of securitised debt instruments, for each scheme so as to explain its transactions and its accounts:

Provided that the register of beneficial owners maintained by a depository in respect of securitised debt instruments held in dematerialised form with it shall be deemed to be a register of holders of securitised debt instruments for the purposes of these regulations.

(2) A special purpose distinct entity shall intimate to the Board the places where the records and documents

maintained under sub-regulation (1) and the accounts maintained under regulation 16 are kept.

- (3) The special purpose distinct entity shall maintain its books of account, records and other documents in respect of its schemes for a minimum period of eight years from the redemption of all instruments issued under the scheme.

**Holding
originator.**

- of 19.** (1) No originator shall at any time subscribe to or hold securitised debt instruments in excess of twenty per cent of the total securitised debt instruments issued by the special purpose distinct entity in a particular scheme.
- (2) Nothing contained in sub-regulation (1) shall apply to the holdings of an originator acquired on account of underwriting of a public issue of securitised debt instruments or in pursuance of an arrangement for credit enhancement:
Provided that the possibilities of such holdings are disclosed in the offer document or in the listing particulars.
- (3) For the removal of doubts, it is clarified that sub-regulation (1) applies only to the classes of securitised debt instruments which are offered to the public or listed.

**Winding
schemes.**

- up of 20.** A scheme may be wound up in the event of the following:
- (a) when the securitised debt instruments have been fully redeemed as per the scheme;
- (b) upon legal maturity as stated in the terms of issue of the securitised debt instrument:
Provided that if any debt or receivable is outstanding on legal maturity, the trustees shall dispose off the same in accordance with the scheme and distribute the proceeds;
- (c) by vote of investors by a special resolution as provided in regulation 34.

CHAPTER V PUBLIC OFFER OF SECURITISED DEBT INSTRUMENTS

- Offer to the public. 21.** (1) This Chapter shall be applicable to offer of securitised debt instruments to the public.
- (2) Any reference in these regulations to offering securitised debt instruments to the public shall be construed as including a reference to offering them to any section of the public.
- (3) No offer shall be treated as made to the public by virtue of sub-regulation (1), if the offer can properly be regarded, in all the circumstances –
- (a) as not being likely to result, directly or indirectly, in the securitised debt instruments becoming available for subscription or purchase by persons other than those receiving the offer;
- (b) otherwise as being the domestic concern of the persons making and receiving the offer.
- (4) Notwithstanding sub-regulation (2), any offer of securitised debt instruments made to fifty or more persons in a financial year shall always be deemed to have been made to the public:
Provided that sub-regulation (3) applies only in respect of

securitised debt instruments which belong to the same tranche and which are *pari passu* in all respects.

Explanation: For the purposes of sub-regulation (4), the term "financial year" shall mean the period of twelve months commencing from the 1st day of April in any year.

Submission of draft offer document and filing of final offer document.

22. (1) No special purpose distinct entity or trustee thereof shall make an offer of securitised debt instruments to the public unless it files a draft offer document with the Board at least fifteen working days before the proposed opening of the issue.
- (2) Such offer document shall be filed along with the minimum filing fee as mentioned in Schedule II:
Provided that the balance filing fee provided in Schedule II shall be paid to the Board within seven days of closure of the public offer.
- (3) If the Board specifies any changes to be made in the offer document within the said period of fifteen working days, the special purpose distinct entity and trustee thereof shall carry out such changes in the draft offer document prior to filing it with the designated stock exchange under regulation 35 or issuing it.
- (4) The final offer document shall be filed with the Board and with every recognised stock exchange to which an application for listing of the securitised debt instruments is proposed to be made prior to its issuance to public.

Arrangements for dematerialisation.

23. (1) Prior to submitting the draft offer document with the Board under regulation 22, the special purpose distinct entity shall enter into an arrangement with a registered depository for dematerialisation of the securitised debt instruments that are proposed to be issued to the public.
- (2) The special purpose distinct entity shall give an option to the investors to receive the securitised debt instruments either in the physical form or in dematerialised form.
- (3) The holders of dematerialised instruments shall have the same rights and liabilities as holders of physical instruments.

Mandatory listing.

24. A special purpose distinct entity desirous of making an offer of securitised debt instruments to the public shall make an application for listing to one or more recognized stock exchanges in terms of sub-section (2) of section 17A of the Act.

Credit rating.

25. (1) No special purpose distinct entity shall offer securitised debt instruments to the public unless credit rating is obtained from not less than two registered credit rating agencies.
- (2) All credit ratings obtained by a special purpose distinct entity on the securitised debt instruments shall be disclosed in the offer document, including unaccepted credit ratings.
- (3) A credit rating agency rating the securitised debt instruments issued by a special purpose distinct entity shall include reference to the following in the rating rationale:
- quality of the asset pool and the strength of cash flows;
 - payment structure;
 - adequacy of credit enhancements;
 - originator profile;
 - risks and concerns for investors and mitigating factors;

- (f) quality and experience of the servicer;
- (g) terms of the servicer contract;
- (h) provision for appointment of back-up servicer, if any;
- (i) any other relevant information.

Contents of offer document.

26. (1) An offer document issued by a special purpose distinct entity or trustee thereof shall contain all material information which is true, fair and adequate for an investor to make informed investment decision and shall also disclose the matters specified in Schedule V.
- (2) An offer document shall not include a statement purporting to be made by an expert unless –
- (a) he has given his written consent to the offer document being issued with the statement included in the form and context in which it is included;
 - (b) such consent is not revoked by him prior to its filing with the Board; and
 - (c) a statement that he has given and has not withdrawn his consent as aforesaid appears in the offer document.

Explanation: For the purpose of this regulation “expert” shall have the same meaning as in sub-section (2) of section 59 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956).

Prohibition of mis-statements in the offer document.

27. (1) An offer document or any report or memorandum issued by a special purpose distinct entity in connection with an offer of securitised debt instruments shall not contain any false or misleading statement.
- (2) An offer document shall not omit disclosure of any material fact which may make the statements made therein, in light of the circumstances under which they are made, misleading.

Underwriting of the issue.

28. A public offer made by a special purpose distinct entity may be underwritten by an underwriter registered with the Board.
29. No public offer of securitised debt instruments shall remain open for more than thirty days.

Offer period.

Minimum subscription.

30. (1) The offer document shall disclose the minimum subscription it seeks to raise under the scheme.
- (2) No securitised debt instruments shall be allotted under the public offer unless subscriptions have been received in respect of the minimum number of securitised debt instruments which will constitute minimum subscription.
- (3) In the event of non receipt of minimum subscription or refusal of listing by any recognised stock exchange, all application moneys received in the public offer shall be refunded forthwith to the applicants.

Explanation: For the purposes of this regulation and Schedule V, “minimum subscription” refers to the amount which, in the opinion of the directors of the originator and trustees of the special purpose distinct entity, must be raised by issue of securitised debt instruments.

Allotment and other obligations.

31. (1) The securitised debt instruments shall be allotted to the investors within the following time periods:-
- (a) in case of dematerialized securitised debt instruments – within five days of closure of the offer;
 - (b) in case of securitised debt instruments in the physical form – the certificates shall be dispatched within eight days of closure of the offer.
- (2) No special purpose distinct entity shall retain any over-

- subscription received in any public offer.
- (3) In the event of over-subscription, the allotment shall be made as per the basis of allotment finalized in consultation with the recognized stock exchanges to which an application for listing was made.
 - (4) The special purpose distinct entity shall dispatch refund orders to unsuccessful or partially successful applicants within eight days of closure of the offer.
 - (5) In a case where the issue proceeds become liable to be refunded in accordance with the disclosures made in the offer document, the special purpose distinct entity shall dispatch refund orders to the applicants within eight days of closure of the offer.
 - (6) Where the allotment is not made within the time period mentioned in clause (a) of sub-regulation (1) or where the certificates are not dispatched within the time mentioned in clause (b) of sub-regulation (1), the special purpose distinct entity and every trustee thereof, and where any such trustee is a body corporate, every director thereof, who is in default shall, on and from the expiry of such period, be jointly and severally liable to pay interest at the rate of fifteen per cent. per annum to the concerned applicants.
 - (7) Where the refund orders are not dispatched within the time mentioned in sub-regulations (4) or (5), the special purpose distinct entity and every trustee thereof, and where any such trustee is a body corporate, every director thereof, who is in default shall, on and from the expiry of the eighth day, be jointly and severally liable to repay that money with interest at the rate of fifteen per cent per annum.
 - (8) Sub-regulations (6) and (7) shall have effect without prejudice to any other provisions of these regulations or any other law.

- Post issue obligations.** 32. The special purpose distinct entity shall file such reports and furnish such information to the Board or to the investors, as directed by the Board from time to time.

CHAPTER VI RIGHTS OF INVESTORS

- Transferability of securitised debt instruments.** 33. Subject to the provisions of regulation 38, the securitised debt instruments issued to the public or listed on a recognized stock exchange in accordance with these regulations shall be freely transferable.
- Rights of investors in securities issued by special purpose distinct entity.** 34. (1) The trust deed or other instrument comprising the terms of issue of the securitised debt instruments issued by a special purpose distinct entity shall provide that investors holding such securitised debt instruments have such beneficial interest in the underlying debt or receivables as may have been conferred by the scheme.
- (2) In the event of failure of the special purpose distinct entity to redeem any securitised debt instruments offered through an offer document or listed, within the time and in accordance with the conditions stated in the offer document or other terms of issue, the investors holding not less than ten per cent in nominal value of such securitised debt instruments shall be entitled to call a meeting of all such investors.
- (3) In such meeting, the investors may move a motion to—
(a) call upon the trustee and the special purpose

distinct entity to wind up the scheme and distribute the realisations;

(b) remove the trustee;

(c) appoint a new trustee in place of the one removed under clause (b):

Provided that any such decision shall be taken by means of a special resolution of the investors of the scheme and sections 179 and 189 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) shall *mutatis mutandis* apply to such special resolution:

Provided further that the new trustee appointed under clause (c) is registered with the Board under these regulations or is exempted from such registration.

- (4) The trustee and the special purpose distinct entity shall take all reasonable steps to carry out the resolutions passed by the investors under sub-regulation (3).
- (5) Any reasonable expenses incurred in calling and holding a meeting under sub-regulation (3) and any reasonable expenses incurred by the trustee or the new trustee, as the case may be, in winding up the scheme and incidental activities shall be met from or reimbursed out of realisations from the asset pool.
- (6) The terms of issue of securitised debt instruments shall not be adversely varied without the consent of the investors.
- (7) For purposes of sub-regulation (6), investors shall be deemed to have given their consent to variation if and only if twenty one days notice is given to them of the proposed variation and it is approved by a special resolution passed by them through postal ballot.
- (8) Sections 189 and 192A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and the rules framed thereunder shall *mutatis mutandis* apply to the special resolution referred to in sub-regulation (7).

CHAPTER VII

LISTING OF SECURITISED DEBT INSTRUMENTS

**Application
listing.**

- for 35.** (1) A special purpose distinct entity required by sub-section (2) of section 17A of the Act to get the securitised debt instruments issued by it listed on a recognised stock exchange or otherwise desirous of getting the securitised debt instruments issued by it so listed shall make an application to the stock exchange in the form specified by it along with the following documents and particulars:
- (a) trust deed or other constitutional document, as the case may be;
 - (b) copies of all offer documents and advertisements in connection with offer of securitised debt instruments by the special purpose distinct entity or its trustee at any time;
 - (c) certified copy of every material document or proposed document which is referred to in any such offer document;
 - (d) certified copies of agreements or memoranda of understanding relating to acquisition or proposed acquisition of debt or receivables from a financial institution or other person;

- (e) certified copy of certificate of registration granted by the Board to the trustee under these regulations;
 - (f) specimen of any other securitised debt instrument issued by the special purpose distinct entity which are listed or proposed to be listed;
 - (g) any other document or particular as may be required by the stock exchange.
- (2) As a condition for listing, the securitised debt instruments issued by a special purpose distinct entity shall have the following characteristics:
- (a) free transferability;
 - (b) being in the nature of such undivided beneficial interest of the investors in the asset pool as is specified in the scheme, and not constituting debt of the special purpose distinct entity or originator;
 - (c) maintenance of a record of the holders thereof, whether holding the same in physical form or dematerialized form.
- (3) The special purpose distinct entity shall enter into a listing agreement with the recognised stock exchanges where the securitised debt instruments are proposed to be listed.
- (4) In exercise of the powers conferred by sub-rule (7) of rule 19 of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, the Board hereby waives the strict enforcement of sub-rules (1) to (3) of the said rule in relation to listing of securitised debt instruments issued in terms of these regulations, subject to compliance with these regulations.

Minimum public offering for listing

36. (1) In respect of public offers of securitised debt instruments, the special purpose distinct entity or trustee thereof shall satisfy the recognised stock exchange to which a listing application is made that each scheme of securitised debt instruments was offered to the public for subscription through advertisements in newspapers for a period of not less than two days and that applications received in pursuance of the offer were allotted in accordance with these regulations and the disclosures made in the offer document.
- (2) In case of a private placement of securitised debt instruments, the special purpose distinct entity shall ensure that it has obtained credit rating from a registered credit rating agency in respect of its securitised debt instruments.
- (3) In case of a private placement of securitised debt instruments, the special purpose distinct entity shall file listing particulars with the recognised stock exchange along with the application made under sub-regulation (1) of regulation 35, containing such information as may be necessary for any investor in the secondary market to make an informed investment decision in respect of its securitised debt instruments.
- (4) All credit ratings obtained pursuant to sub-regulation (2), including unaccepted ratings, if any, shall be disclosed in the listing particulars filed with the recognised stock exchange under sub-regulation (3).

Continuous listing conditions

37. (1) The special purpose distinct entity or trustee thereof shall submit such information, including financial information relating to the schemes, to the stock

exchanges and investors and comply with such other continuing obligations as may be stipulated in the listing agreement.

- (2) Every rating obtained by a special purpose distinct entity under sub-regulation (1) of regulation 25 or under sub-regulation (2) of regulation 36 shall be periodically (not later than one year) reviewed by the registered credit rating agency and any revision in the rating shall be promptly disclosed by the special purpose distinct entity to the recognised stock exchanges where the securitised debt instruments are listed.
- (3) The information filed with a recognised stock exchange under sub-regulation (3) of regulation 36 and sub-regulations (1) and (2) of this regulation shall be promptly disseminated to investors and prospective investors in such manner as the recognised stock exchange may determine.

**Trading
securitised
instruments**

**of 38.
debt**

The securitised debt instruments issued to the public or on a private placement basis, which are listed in recognised stock exchanges, shall be traded and such trades shall be cleared and settled in recognised stock exchanges subject to conditions specified by the Board.

CHAPTER VIII INSPECTION AND DISCIPLINARY PROCEEDINGS

**Power to call for 39.
information**

The Board may call for information from the originator, special purpose distinct entity, trustee (whether registered with the Board or not), sponsor, servicers, underwriters, credit enhancers, liquidity providers or any other person associated with securitisation or any regulated activity.

**Right of inspection 40.
by the Board.**

- (1) Without prejudice to provisions of sections 11 and 11C of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Board may appoint one or more persons to undertake the inspection of the books of account, records and documents of the special purpose distinct entity or any of its schemes or its trustee (whether registered with the Board or not) or servicer or any other agent for any of the purposes specified in sub-regulation (2).
- (2) The purposes referred to in sub-regulation (1) may be as follows, namely:-
 - (a) to verify whether the books of account are being maintained and valuations are being done in a proper manner;
 - (b) to verify whether the provisions of the Act, the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the rules and regulations made thereunder are being complied with;
 - (c) to inquire into the complaints received from investors, other market participants or any other persons on any matter having a bearing on the regulated activities of the special purpose distinct entity,
 - (d) to inquire into affairs of the special purpose distinct entity suo-moto in the interest of investor protection or the integrity of the market in so far as it relates to

its regulated activities;

(e) to inquire whether securitisation or regulated activity is being carried on as per provisions of the Act and these regulations;

(f) to inquire whether the Code of Conduct has been observed.

**Notice
inspection.**

before 41.

- (1) Before undertaking an inspection under regulation 40, the Board shall give a reasonable notice to the special purpose distinct entity or other person.
- (2) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (1), where the Board is satisfied that in the interest of the investors no such notice should be given, it may by an order in writing direct that the inspection of the affairs of the special purpose distinct entity or other person be taken up without such notice.
- (3) During the course of inspection the special purpose distinct entity and other persons shall be bound to discharge its obligations as provided under regulation 42.

**Obligations
special purpose
distinct entities on
inspection.**

of 42.

- (1) It shall be the duty of every director, trustee, officer, employee, servicer or any other agent of the special purpose distinct entity who is being inspected to produce to the inspecting authority such books of accounts and other documents in his custody or control and furnish him with such statements and information relating to regulated activities of the special purpose distinct entity as he may require within the specified time.
- (2) The persons mentioned in sub-regulation (1) shall allow the inspecting authority to have a reasonable access to the premises occupied by such special purpose distinct entity or by any other person, on its behalf and also extend reasonable facility for examining any books, records, documents, computer systems and computer data in the possession of the special purpose distinct entity or any such other person and also provide copies of documents or other material which in the opinion of the inspecting authority are relevant for the purposes of the inspection.
- (3) The inspecting authority shall in the course of inspection, be entitled to examine or record statements of any principal officer, director, partner, proprietor and employee of the special purpose distinct entity or the other person whose records or other documents are being inspected.
- (4) It shall be the duty of every director, proprietor, partner, officer, employee, servicer or other agent of the special purpose distinct entity or the other person whose records or other documents are being inspected to give to the inspecting authority all assistance in connection with the inspection which the special purpose distinct entity may reasonably be expected to give.

**Appointment
auditor or valuer.**

of 43.

- (1) The Board may appoint a qualified auditor to inspect the books of account or inquire into the affairs of the special purpose distinct entity, servicer or other agent of the special purpose distinct entity in so far as it concerns its regulated activities:

Provided that the auditor so appointed shall have the

same powers of the inspecting authority as are mentioned in regulation 40 and the obligation of the special purpose distinct entity and its employees in regulation 42 shall be applicable to the investigation under this regulation.

Explanation: For the purposes of this sub-regulation, the expression "qualified auditor" shall have the meaning derived from section 226 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956).

- (2) The Board may appoint a valuer or direct a valuer to be appointed, if so required in the interest of investors in a scheme for the purpose of proper valuation of asset pools acquired or held by a special purpose distinct entity.
- (3) The expenses of such audit under sub-regulation (1) or valuation under sub-regulation (2) shall be borne by the originator, trustee, or other person if so specified by the Board.

**Submission of 44.
report to the Board.**

- (1) The inspecting authority shall, as soon as may be possible, submit an inspection report to the Board.
- (2) On submission of the inspection report, the Board may take such action thereon as it may deem fit and appropriate.

CHAPTER IX PROCEDURE FOR ACTION IN CASE OF DEFAULT

**Cancellation
suspension
registration.**

**or 45.
of**

- (1) The registration granted under regulation 6 to a trustee who -
 - (a) fails to comply with any conditions subject to which certificate has been granted;
 - (b) contravenes any of the provisions of the Act, the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992) or the regulations made thereunder -
 may be cancelled or suspended by the Board:

Provided that no such registration shall be cancelled or suspended unless the trustee has been given an opportunity of being heard in the manner as applicable in respect of cancellation or suspension of registration granted to any intermediary under the Securities and Exchange Board of India Act, 1992.

- (2) While passing an order of suspension or cancellation of registration of a trustee, the Board may also direct winding up of schemes of the special purpose distinct entity within such period and in such manner as may be directed.

Explanation: For the purpose of this sub-regulation, "winding up of schemes" shall mean liquidation of the asset pool and repayment of the proceeds thereof to the investors in the scheme.

- (3) Notwithstanding the cancellation of certificate, the trustee shall, subject to such directions as the Board may deem appropriate, ensure compliance of the Act, these regulations, any circular issued thereunder and the listing agreement, until another registered trustee is appointed in his place or the special purpose distinct entity winds up its schemes and repays to the investors, whichever is earlier.
- (4) Nothing contained in this regulation shall be deemed to

prejudice the operation of sections 12A, 21A, 23, 23A, 23C, 23E, 23H and 23M of the Act, sections 11, 11B, 11D and 24 and Chapter VIA of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992) and rule 19 of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957.

Directions

46. Without prejudice to actions under the Act, the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992) and regulation 45, the Board may in the interest of the securities market, in the interest of the investors or for the purpose of securing the proper management of any special purpose distinct entity or trustee (whether registered with the Board or not), pass, any or all of the following directions:
- (a) directing the originator or any other persons associated with securitisation or regulated activity to refund any money collected under an issue to the investors with or without requisite interest, as the case may be;
 - (b) directing the persons associated with securitisation or regulated activity concerned not to access the capital market or not to deal in securities or securitised debt instruments for a particular period or not to engage in securitisation or regulated activities;
 - (c) directing the recognised stock exchange concerned not to permit trading in the securitised debt instruments;
 - (d) directing the recognised stock exchange concerned to suspend trading in securitised debt instruments;
 - (e) any other direction which the Board may deem fit and proper in the circumstances of the case:

Provided that before issuing any directions the Board may give a reasonable opportunity of being heard to the person concerned:

Provided further that if any interim direction is required to be passed, the Board may give post decisional hearing to such person.

Appeal

47. A person aggrieved by an order of the Board or Adjudicating Officer under the Act, the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992) or these regulations or refusal of listing by a recognised stock exchange may prefer an appeal to the Securities Appellate Tribunal in accordance with section 23L of the Act read with the Securities Contracts (Regulation) (Appeal to Securities Appellate Tribunal) Rules, 2000, or section 15T of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992) read with the Securities Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 2000.

CHAPTER X MISCELLANEOUS

Power of the Board to issue clarifications.

48. In order to remove any difficulties in the application or interpretation of these regulations, the Board may issue clarifications and guidelines in the form of circulars.

Delegation of powers

49. The powers exercisable by the Board under these regulations shall also be exercisable by any officer of the Board to whom such powers are delegated by the Board by means of an order made under section 19 of the Securities

and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992).

- Applicability of other Laws** 50. The provisions of these regulations are without prejudice to the duties of the trustees or special purpose distinct entity or other parties to the securitisation under the Indian Trusts Act, 1882 (2 of 1882) or any other law for the time being in force.

SCHEDULE I

Securities and Exchange Board of India (Public Offer and Listing of Securitised Debt Instruments) Regulations, 2008 [See regulations 4(3) and 6(2)]

FORMS

FORM A

APPLICATION FORM FOR SEEKING REGISTRATION

Name of applicant.....
Contact person.
Name of the Compliance officer.....
Telephone No. :Fax No.
e-mail. Website:

Instruction for filling up form:—

1. Applicants must submit a completed application form together with appropriate supporting documents to the Board.
2. It is important that this application form should be filled in accordance with the regulations.
3. Information which needs to be supplied in more details may be given on separate sheets which should be attached to the application form.
4. The application must be signed by the competent person having authority to do so and all signatures must be in original.

DETAILS OF SPONSOR

1. Name of the sponsor-
2. Address of the registered office/correspondence address-
Telephone Nos. Telex Nos. Fax Nos. E-mail address
Website address
3. Name of the contact person-
4. Date and place of incorporation of the sponsor
(Enclose a copy of certificate of incorporation)
5. Objects of the sponsor.
(Enclose copy of the Memorandum and Articles of Association)
Main objects-
Ancillary objects-
6. Capital structure and shareholding pattern.
7. Present line of business activities-
Number of years in that line
8. Condensed financial information.
(Enclose balance sheets and profit and loss account for five years)
9. Accounting policies.
(Furnish description of significant accounting policies)
10. Systems and procedures
(Furnish description of systems and procedures in the company and essential internal controls in order to carry on the business of the company)
11. Names of the associate organisations/group companies/subsidiaries, etc.
12. Management of the sponsor Board of the company with names, experience, qualification, and profession of the Directors.
Names of key personnel-
Organisational structure-

Board of Directors of associate organisations, companies and subsidiaries.

13. Names and addresses of the bankers of the sponsor.

14. Names and addresses of the auditors of the sponsor.

15. Court cases/litigations in which the sponsor may have been involved in the last three years.

CONDENSED FINANCIAL INFORMATION

(A) Income statement

Years (Rs.)

1 2 3 4 5

Income:

Dividend

22

Trading

Management Fee

Other income

Total

Expenses:

Director's remuneration

Trusteeship fees

Custodian fees

Registrar's fees

Other expenses

Total

Gross Profit

Depreciation

Net profit before tax

Tax

Profit after tax

Dividends

Retained earnings

(B) Assets and liabilities

Years (Rs.)

1 2 3 4 5

Assets:

Fixed Assets

Gross

Depreciation

Net value

Current assets

Investments*

Others (please specify)

Cash and bank balances

Less:

Current liabilities and

Provisions

Net worth

Represented by:

Issued and paid up capital

Free reserves

(excluding revaluation reserves)

Total

*Provide full particulars of investments.

FORM B

Format of letter of registration

In exercise of the powers conferred by section 17A of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 read with regulation 6 of the Securities and Exchange Board of India (Public Offer and Listing of Securitised Debt Instruments) Regulations, 2008 made

thereunder, the Board hereby grants registration to..... as a trustee entitled to act as a trustee to a special purpose distinct entity offering securitised debt instruments to the public and / or seeking listing for such instruments on a recognised stock exchange.

Date.....

By order

Sd/-

For and on behalf of the
Securities and Exchange Board of India

SCHEDULE II

Securities and Exchange Board of India (Public Offer and Listing of Securitised Debt Instruments) Regulations, 2008 [See regulations 4(3), 6(1), 7(b) and 22(2)]

FEES

1. The fees payable under these regulations by an applicant or trustee or special purpose distinct entity shall be as follows:

A. Application fees	Rs. 25,000/- (twenty five thousand rupees)
B. Registration fees	Rs. 50,000/- (fifty thousand rupees)
C. Annual fees	Rs. 10,000 (ten thousand rupees)
D. Filing fees for offer documents	0.03 per cent of the amount raised in the public offer, subject to a minimum of ten thousand rupees and a maximum of twenty five thousand rupees.
2. The fees mentioned in paragraph 1 shall be paid by means of a demand draft drawn in favour of the 'Securities and Exchange Board of India' payable at Mumbai.

SCHEDULE - III

Securities and Exchange Board of India (Public Offer and Listing of Securitised Debt Instruments) Regulations, 2008 [See regulation 7(g)]

CODE OF CONDUCT

1. Schemes of a special purpose distinct entity shall not be organised, operated, managed in the interest of the originator or sponsor or a special class of investors. Interests of all classes of investors of the scheme shall be taken into account in such organisation, operation and management.
2. A special purpose distinct entity and its trustee shall ensure the dissemination to all investors of adequate, accurate, explicit and timely information fairly presented in a simple language about the asset pools, transactions & arrangements with originator, credit enhancer, underwriter, liquidity provider, securitised debt instruments, financial position, credit ratings and general affairs of the scheme or any other party to the securitisation or regulated activity.

3. A special purpose distinct entity and its trustee shall avoid conflicts of interest in managing the affairs of the schemes and other regulated activities and shall keep the interest of all investors paramount in all matters.
4. A special purpose distinct entity and its trustee shall ensure scheme-wise segregation of bank accounts, asset pools and securitised debt instruments holders' accounts or folios.
5. A special purpose distinct entity and its trustee shall carry out the business in accordance with objectives stated in the offer documents and take decision solely in the interest of investors.
6. A special purpose distinct entity and its trustee shall not use any unfair or unethical means, directly or indirectly, to sell or market the securitised debt instruments or induce any investor to buy such instruments.
7. A special purpose distinct entity and its trustee shall not employ any unfair or unethical means in valuation and conversion of asset pools or in the course of securitisation or any other regulated activity.
8. A special purpose distinct entity and its trustee shall maintain high standards of integrity and fairness in all their dealings and in the conduct of their business.
9. A special purpose distinct entity and its trustee shall render at all times high standards of service, exercise due diligence and independent professional judgment and take reasonable care and skill in performing its functions.
10. A special purpose distinct entity and its trustee shall not make any exaggerated statement, whether oral or written, either about their qualifications or capability to render services or their achievements or in respect of asset pools.
11. A special purpose distinct entity and its trustee shall always ensure that the debt and receivables acquired by it are through a genuine transaction amounting to a true sale and legally realizable by it.

SCHEDULE IV

Securities and Exchange Board of India (Public Offer and Listing of Securitised Debt Instruments) Regulations, 2008

(See regulation 9)

Contents of

Instrument of Trust

The Trust Deed or other constitutional document shall contain the following, namely:—

1. That the trustees shall take into their custody, or under their control the debts or receivables of the schemes of the special purpose distinct entity and hold it in trust for the benefit of investors.
2. That the investors in the securitised debt instruments have such beneficial interest in the underlying debt or receivables as may have been conferred by the scheme.
3. That the trustees themselves do not have any beneficial interest in the underlying debts or receivables.
4. The duties and obligations of the trustees shall be clearly specified.
5. The particulars of interest or association of the trustees which they may have with the originator or the sponsor. The trustees shall also furnish to the board of trustees or trustee company particulars of interest or association which they may have in originator or sponsor.
6. The originator or any of its associates does not exercise control over the trustee.
7. The trustees shall act in the interest of the investors and they shall provide or cause to provide information and disclosures to investors and Board as may be specified by the Board.
8. The trustees shall take reasonable and due care to ensure that the funds raised under the schemes launched by the special purpose distinct entity are in accordance with the provisions of the Act and these regulations.
9. The details of the Trust Property.
10. The trustee shall issue certificate or instrument (by whatever name called) evidencing the beneficial interest of the investors in the debt or receivables assigned to the special purpose distinct entity.
11. Declaration that the trustees and the special purpose distinct entity shall not make or guarantee loans or take up any activity which is not a regulated activity in terms of these regulations.
12. Broad policies regarding allocation of payments

13. The trustee shall furnish annual report about the pool performance and the investor servicing to the investors.
14. Trusteeship fee, if any, payable to trustees
15. No amendment to the Trust Deed which prejudicially affects the interest of investors shall be carried out.
16. The removal of the trustee in all cases would require the prior approval of the Board.
17. The Trust Deed shall lay down the procedure for seeking approval of the investors under such circumstances as are specified in the Regulations.

SCHEDULE V

Securities and Exchange Board of India (Public Offer and Listing of Securitised Debt Instruments) Regulations, 2008

(See regulation 26)

DISCLOSURES TO BE MADE IN THE OFFER DOCUMENT

The offer letter shall contain all material information which shall be true and adequate so as to enable the investors to make informed decision on the investments in the issue.

1.0 Cover Page Requirement

1.1 The front and back inside and outside of the cover pages of the offer document shall be white and no patterns or pictures shall be printed on these pages.

1.2 The front outside cover page of the offer document shall contain the following details:

- a) The name of the issuer, the address of the issuer including its registered office, if any;
- b) Name of the trustee, address of registered office, along with its telephone number, fax number, contact person, website address and e-mail address;
- c) The name of the Originator, the address of its registered office along with its telephone number, fax number, contact person, website address and e mail address;
- d) The title of the securitised debt instruments, expected maturity, coupons, their ratings;
- e) The number, nature, price, amount and issue size of securitised debt instruments offered through the offer document;
- f) Asset type being securitised along with the nature of transaction;
- g) Issue Schedule:
 - (a) Date of opening of the issue
 - (b) Date of the closing of the issue
- h) Name/s of the stock exchanges where listing of the securitised debt instruments is proposed;
- i) The following disclaimer shall be made prominently in the first page of the offer document:

"The submission of draft offer document to the Board should not in any way be deemed or construed that the same has been approved by SEBI. SEBI does not take responsibility for the financial soundness of the scheme launched by the issuer.

Neither SEBI nor the stock exchanges are responsible for the correctness of any statements, opinions or other disclosures contained in this offer document. The registration granted by SEBI to the trustee should not be taken as an indication of the merits of the issuer, the originator or the securitised debt instruments."

2.0 Table of Contents, definitions and abbreviations.

2.1 Table of Contents shall appear immediately after the front inside cover page

2.2 The definitions and abbreviations, if any, shall appear after the Table of Contents.

3.0 Objects of the Offer.

A brief description about the objects of the offer and proposed end use of funds shall be given in the offer document.

4.0 Summary information

4.1 The following information may be provided in succinct form to enable the investor to get a quick idea of the transaction, followed by elaborate details in the offer document:

- (a) Description of the securitised debt instruments;

- (b) Brief description of the asset pool, including transaction type – cash, synthetic, balance sheet/ repackaging, etc.
 - (c) Names of principal parties to the transaction – originator, issuer, trustee, credit enhancement provider, liquidity facility provider, any swap counterparty, servicer, depository, principal underwriter, collection and payment account bank, etc.
 - (d) Nominal amount of each class/ tranche of the securitised debt instruments and the issue and redemption prices and nominal interest rate, interest type – fixed or floating;
 - (e) Any class tranche not being offered to the public through offer document
 - (f) Ratings of each class/tranche
 - (g) Credit enhancements for each class of securitised debt instruments
 - (h) Expected interest and principal payment dates;
 - (i) Expected maturity date of each class of securitised debt instruments
 - (j) Legal final maturity of the scheme;
 - (k) Optional redemptions, if any;
 - (l) Description of underlying asset pool;
 - (m) If there is a possibility of extension or shortening of such period, then it shall be disclosed;
 - (n) Declaration about the possibility of premature winding up of the scheme in case of prepayments;
 - (o) Liquidity support, if any
 - (p) Terms of payment and cash flow, distinguishing, where appropriate, allocation of revenue receipts and principal receipts;
- 4.2 One standard financial unit shall be used in the offer document.

5.0 Risks involved

- a) Description of the Assets and Debtors.
- b) Default Risk / Credit Risk related to the assets.
- c) Delinquency Risk.
- d) Dilution Risk, that is to say, any possible changes in the credit quality of the pool, excess spread or other factors over time.
- e) Correlation Risk.
- f) Servicing risk, including risks and costs involved in any transition of the servicer
- g) Prepayment Risk..
- h) Liquidity Risk.
- i) Currency, Interest and Other Risks.
- j) Potential loss on securities due to limited assets of special purpose distinct entity.
- k) Risks arising out of geographic concentration of receivables, if any.
- l) Any other risk specific to the transaction and asset class.

5.1. The issuer's perception about such risk factors shall be disclosed together with detailed descriptions of the measures if any that have been taken or that are proposed to be taken by the issuer to mitigate such risks.

5.2. In addition to the risk factors specific to investment in securitised debt instruments as above, disclosure shall also be made of the normal risks associated with investing in securities as mentioned in the Guidelines or Regulations of the Board relating to issue of capital, to the extent applicable.

6.0 Disclaimers

The following disclaimers shall also be made in bold font in the offer document:

- (a) that the securitised debt instruments do not represent deposits, liabilities of the originator, servicer or special purpose distinct entity and that they are not insured;
- (b) that the special purpose distinct entity, originator or servicer does not guarantee the capital value of the securitised debt instruments or the collectibility of the asset pool.

7.0 Details about public offer

7.1 The following details about the public offer shall be disclosed in the offer document-

- a) Minimum application.
- b) Minimum subscription – disclosure of method of calculation and disclosure of the sources of funds if the whole or any part of the expenditure mentioned in regulation 31 are to be met otherwise than out of issue proceeds.

- c) Interest rate on application money.
- d) Period of offer - opening and closing dates.
- e) Manner of making application for certificates and instruments and the addresses of the places where the applications would be accepted.
- f) Manner of declaration of results of the public offer.
- g) Methods and time limits for delivery of securitised debt instruments to successful applicants and of refunds of application moneys to unsuccessful applicants.
- h) Option of the applicants to choose between allotment in the physical and dematerialised form.
- i) Brief description of the basis of allotment and procedure which will be followed in case of over-subscription.
- j) Amount of minimum subscription and the steps that would be taken if minimum subscription is not received.
- k) Listing details and transferability.

8.0 The disclosures regarding Securitised debt instruments

8.1 The following disclosures shall be made regarding the securitised debt instruments offered:

- (a) An indication as to, where potential material liquidity shortfalls may occur, the availability and details of any liquidity support and plans to cover potential shortfalls.
- (b) Information regarding possible accumulation of surpluses in the issuer and an indication of the investment criteria for the investment of any liquidity surpluses.
- (c) Details of any other arrangements upon which payments of interest and principal to investors are dependent.

8.2 The tax treatment of the various transactions at the hands of the investor, special purpose distinct entity and originator shall be disclosed.

9.0 Disclosures about the Issuer

- a) A brief description of the issuer along with its history ;
- b) A statement whether the issuer has been established as a special purpose vehicle or entity.
- c) Details of the settlor, initial corpus, place of registration, if any, along with any identification number.
- d) To the extent known to the issuer, state the name of the person(s) who directly or indirectly controls the issuer, along with the nature of such control and the measures in place to ensure that such control is not abused.
- e) The person(s) holding residual beneficial interest in the trust.
- f) Financial Information concerning the Issuer's assets and liabilities, financial position, and profits and losses, if any.
- g) Names, address, nationality, professional experience, other directorships and academic qualifications of the trustees.
- h) Management of the issuer.

10.0 Disclosures about the Trustees

- 1. Name of the trustee, organizational form, management.
- 2. Experience.
- 3. Duties & responsibilities of the trustee under the trust deed.
- 4. Principal powers of the trustees.
- 5. Procedure for appointment, removal and replacement of trustees
- 6. Other material terms of the trust deed.

11.0 Disclosures about the Originator

- 1. Name, description, principal business activities and brief history of operation of the originator.
- 2. Principal business segments in which the originator operates.
- 3. Description of the originator's business, market presence, market share, if any, experience etc. in relation to the asset class proposed to be securitized.
- 4. Financial Information concerning the originator's assets and liabilities, financial position, and profits and losses, for the purpose of which the originator shall provide a complete audited financial statements for past 3 years and, if necessary, unaudited financial statements prepared within 120 days from the date of the application for registration of the asset backed securities is made effective.

5. Overview of the process of origination of the asset being securitised.
6. Major underwriting practices concerning the asset being securitised.

12.0 Disclosures about the Servicer

1. Name of the Servicer, organizational form and its principal activities.
2. Experience.
3. Financial Information: The servicer should possess the financial resources necessary to perform under the servicing agreement and/or trust agreement.
4. Disclosure about defaults if any.
5. Material terms of the servicing agreement and the servicer's duties, with the servicing agreement filed as an exhibit.
6. Servicing fees.
7. Events of default of the servicer and consequences thereof.
8. Replacement of the servicer, particulars about whether any backup servicer exists.

13.0 Disclosures about the Transaction Structure & Cash Flow

1. Description of the structure of the transaction, including, if necessary, a structure diagram.
2. Description of the entities participating in the issue and description of the functions, risks associated to be performed by them.
3. Excess spread and the treatment thereof.
4. Credit enhancement and liquidity support.
5. Credit collateral, over-collateralisation, guarantees or any other support from the originator or any third party, particulars of such credit enhancer, fees, if any, payable to such enhancer and particulars of any provision requiring the replacement of such enhancer in any contingency.
6. Important structural triggers in the transaction such early amortisation, redirection of the cash flows to a particular class(es) of the securities, trapping of the excess spread, etc.
7. Cash reserve, if any, including the reinvestment of the same and eligible securities/modes of investment where the same may be invested.
8. Reinvestment of cash flows, if any, and the modes where the same may be reinvested.
9. Any material contracts with the originator or third parties such as swaps, put or call options including any such options in respect of the securitised debt instruments.
10. Clean up call option, if any.
11. Priority of distributions and allocation of funds. An illustrative schedule of priority is given below:
 - Servicing Fee, Trustee Fee etc.
 - Class A Securities Interest
 - First allocation of principal
 - Class B interest
 - Second allocation of principal
 - Reinstatement of reserve account, if any
 - Early amortisation events, trigger clauses etc.
 - Events of default and events entailing change in priority of distributions
12. Description of the method and date of the sale, transfer or assignment of the assets or of any rights and/or obligations in the assets to the issuer or, where applicable, the manner and time period in which the proceeds from the issue will be fully invested by the issuer.
13. Material features of the asset pool such as default rate, loss rate, recovery rate, delinquency rate (by buckets such as 30 dpd; 60 dpd; 90 dpd, etc), prepayment rate, etc.
14. Sensitivity of the cash flows and yields on different classes to the changes in the above assumptions, including expected maturity.
15. Major representations and warranties contained in the document whereby the debt or receivables have been assigned.
16. Any other particulars as are necessary to understand the transaction structure.

14.0 The Underlying Assets

In any such information as below, where an average information is being given, the minimum, maximum and the standard deviation must also be disclosed:

- (a) the legal jurisdiction(s) where the assets are located;

- (b) the nature of and title of the assets;
- (c) the expiry or maturity date(s) of the assets;
- (d) the rate of return from the assets;
- (e) the criteria for the selection of the assets;
- (f) the number and value of the assets in the pool;
- (g) the method of origination or creation of the assets;
- (h) rights of recourse against the originator to the extent allowed in law, including a list of material representations and warranties given to the issuer relating to the assets;
- (i) rights to substitute the assets and the qualifying criteria;
- (j) any prepayment right including prepayment penalties available to the obligors;
- (k) level of concentration of the obligors in the asset pool, identifying obligors that account for ten per cent or more of the asset value;
- (l) where there is no concentration of obligors above ten per cent, the general characteristics and descriptions of the obligors;
- (m) the outstanding principal balance/anticipated collections over a definite period from the eligible assets;
- (n) the outstanding principal balance/anticipated collections over a definite period from the eligible assets as a percentage of the total amount of asset-backed securities being offered;
- (o) the cash generated by the eligible assets in the last financial year as a percentage of the total amount of securitised debt instruments being offered;
- (p) the amount of eligible assets in default;
- (q) the amount of eligible assets in default as a percentage of the total amount of securitised debt instruments being offered and the amount of eligible assets in default as a percentage of the credit enhancement;
- (r) explanatory notes where there is expected material difference between actual and projected cash flows and any actions being taken to correct the situation;
- (s) a description of what constitutes a default;
- (t) a chartered accountant's report on the cash flow projections arising from the eligible assets which are the basis of the securitisation together with the basis of the projection.

15.0 Static Pool Information

The following information shall be provided for static pools of similar assets of all past securitisation transactions done with reference to the same originator:

1. Information regarding delinquencies, cumulative losses and prepayments information for the past 5 years of the originator's portfolio, including the build up of such delinquencies, losses and prepayments over time.
2. It should include the factors relevant to the transaction such as asset term, asset type, yield, payment rates, the erosion of credit enhancements, any allocation of losses to any class of investors, etc.

16.0 Outstanding litigations and material developments:

17.0 Other regulatory and Statutory Disclosures.

18.0 Fees & expenses

Any fees paid to trustee, servicer etc. and the tax paid should be disclosed.

19.0 Declarations.

(1) The offer document shall contain the following declaration by trustees of the special purpose distinct entity at the end:-

"We being the trustees of the issuer namely: accept responsibility for the information contained in this offer document. To the best of our knowledge and belief and we have taken all reasonable care to ensure that the information contained in this document is in accordance with facts which are true, fair and adequate and does not omit anything likely to affect the import of such information. In our opinion, the issuer does not have any debts, liabilities or other claims which may increase the likelihood of the issuer being subjected to dissolution, voluntary or compulsory winding up or insolvency proceedings.

In our opinion, the expected cash flow from the asset pool is sufficient to meet the obligations on the securitised debt instruments."

(2) The offer document shall also contain a declaration made by the directors of the originator in the following terms:-

"We being the directors of the originator namely: accept responsibility for the information contained in this offer document. To the best of our knowledge and belief and we have taken all reasonable care to ensure that the information contained in this document is in accordance with facts which are true, fair and adequate and does not omit anything likely to affect the import of such information. In our opinion, the originator is a going concern. In our opinion, the expected cash flow from the asset pool is sufficient to meet the obligations on the securitised debt instruments."

20.0 Undertakings.

(1) The following undertakings shall be made by all trustees of the special purpose distinct entity, -

- (a) that in the event minimum subscription is not received, the special purpose distinct entity shall forthwith refund the application moneys collected under the offer and in the event of delay beyond eight days from closure of the offer in making such refund, the special purpose distinct entity and its directors or trustees shall be liable jointly and severally to repay the application moneys together with interest at fifteen per cent per annum;
- (b) that in the event of over-subscription, the excess application moneys shall be refunded forthwith to unsuccessful and partially successful applicants and in the event of delay beyond eight days from finalisation of the basis of allotment in making such refund, the special purpose distinct entity and its directors or trustees shall be liable jointly and severally to repay the application moneys together with interest at fifteen per cent per annum;
- (c) that in the event any stock exchange to which an application for listing is made under sub-section (2) of section 17A of the Act rejects listing permission, the issuer and, if necessary, its directors or trustees, shall refund application moneys forthwith in terms of sub-section (3) thereof.

21.0 Material documents.

(1) The following documents and any other document referred to in the offer document as a 'material document' shall be made available for inspection to prospective investors during the offer period at the registered office of the issuer or at office of the merchant banker:-

- (a) the constitutional documents of the issuer;
- (b) copies of agreement between the issuer and the servicer, credit enhancer, and liquidity provider where relevant;
- (c) copies of agreement with credit enhancer;
- (d) documents of assignment of the assets under the securitisation transaction;
- (e) copies of agreements with underwriters;
- (f) the originator's board resolutions, shareholders resolution, if applicable, and approval by existing debt holders, where applicable;
- (g) all reports, letters and other documents, valuations and statements by any expert any part of which is included or referred to in the offer document;
- (h) the audited accounts of the originator or, where it has subsidiaries, the consolidated audited accounts of the originator and its subsidiaries for each of the five financial years preceding the publication of the offer document, including, all notes, reports or information required by the Companies Act, 1956 (1 of 1956) to be annexed or attached thereto.

(2) Detailed disclosures shall be given as to the manner in which the above documents may be inspected.

(3) Where any of the above documents are not in English, translations into English must also be available for inspection.

C. B. BHAVE, Chairman

[ADVT III/4/69-ZB/2008/Ext.]